दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित एनसीआर (इंडिया) का हिन्दी दैनिक

मो.9643311765

सत्यजय टाईम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष-15 अंक-95 मंगलवार 07 अप्रैल, 2026, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद (एनसीआर) से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com Satyajay Times satyajaytimes

एआई और डिजिटल शिक्षा से बदल रहा है शिक्षा का स्वरूप : सीएम

अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा– 20 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण है।

मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे देश के उप-राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत और अभिनंदन किया। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज प्राप्त की गई डिग्रियां और पदक विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम हैं। साथ ही उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय महान समाज सुधारक एवं किसानों के मसीहा दीनबंधु चौधरी छोटू राम जी के नाम पर स्थापित है, जिन्होंने शिक्षा को गरीबी और अज्ञानता से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बताया था। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आज उनके आदर्शों को आधुनिक तकनीक और विज्ञान के साथ जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध और औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर और ...

शेष पेज 4 पर...

सुप्रीम कोर्ट का मद्रास हाई कोर्ट के आदेश में दखल से इनकार

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के एक अहम आदेश में दखल देने से साफ इनकार कर दिया है। मामले में हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि पानी, नमक और चीनी बेचने के लिए इस्तेमाल होने वाली सभी प्लास्टिक या पीईटी बोतलों और पैकिंग पर एक चेतावनी वाला लेबल होना चाहिए। इस लेबल पर साफ लिखा होना चाहिए कि इन खाद्य पदार्थों में माइक्रो या नैनो प्लास्टिक हो सकता है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले पर कहा, पैकेट पर चेतावनी दिखाने में कुछ भी गलत नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि सरकार शायद इस मामले में ढिलाई बरत रही हो, लेकिन हाई कोर्ट इस पर बहुत सख्त है। ...

शेष पेज 4 पर...

अमित शाह ने हरिपाद जिले में किया रोड शो

एनडीए प्रत्याशी संदीप वाचस्पति के लिए किया प्रचार

हरिपाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के हरिपाद जिले में एक विशाल रोड शो किया। उन्होंने आगामी नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एनडीए उम्मीदवार संदीप वाचस्पति के लिए प्रचार किया। रोड शो में सैकड़ों एनडीए कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें से कई ने पार्टी की टोपी पहन रखी थी और भाजपा के झंडे लिए हुए थे। समर्थकों ने नारे लगाए और शाह तथा वाचस्पति के कट-आउट लहराए। यह रोड शो गांधी चौक से शुरू होकर हरिपाद के प्रमुख क्षेत्रों से गुजरा। बारिश के बावजूद भीड़ उत्साहित बनी रही। शाह ने रास्ते भर समर्थकों का अभिवादन किया। हरिपाद विधानसभा सीट पर कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। कांग्रेस ने मौजूदा विधायक और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को फिर से मैदान में उतारा है। वहीं, सत्तारूढ़ एलडीएफ ने सीपीआई उम्मीदवार टी टी जिस्मोन को टिकट दिया है। एनडीए के संदीप वाचस्पति भी इस सीट पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

आत्मनिर्भर ऊर्जा तंत्र विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा देश : मनोहर

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को नई दिल्ली में मिशन फॉर एडवांस एंड हाई इम्पैक्ट रिसर्च पर उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

इस आशय के बारे में उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि आज मिशन फॉर एडवांस एंड हाई इम्पैक्ट रिसर्च पर उच्चतरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए ऊर्जा क्षेद्ध में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु अकादमिक संस्थानों तथा निजी उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक एवं सार्थक विचार-विमर्श किया गया।...

शेष पेज 4 पर...

'असम में जनता का उत्साह देखकर कांग्रेस पस्त'

जनसमर्थन कांग्रेस के लिए है चिंता का विषय : प्रधानमंत्री

डिब्रूगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को डिब्रूगढ़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। जनसभा में भारी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें डिब्रूगढ़ आने का कई बार अवसर मिला है, लेकिन इस बार जो जोश और उत्साह देखने को मिला है, वह अभूतपूर्व है। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह जनसमर्थन कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस पहले से ही हैरान-परेशान है और मतदान से ठीक पहले इस तरह की तस्वीरें उसे और पस्त कर देंगी। जनता का यह उत्साह एक मजबूत संदेश दे रहा है। उन्होंने असम की सांस्कृतिक विविधता और एकता की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की शानदार विरासत रही है। अहोम, कोच-राजबंशी, मोरान, मोतोक, मिसिंग, देवरी जैसे कई समाज सदियों से सौहार्द के साथ यहां रहते आए हैं। कोई असमिया बोलता है, कोई बांग्ला और कोई हिंदी, लेकिन हर किसी का सपना एक ही है, विकसित असम और विकसित भारत। उन्होंने असम के महान नेताओं और विभूतियों को भी याद किया। उन्होंने भूपेन हजारिका, गोपीनाथ बोरदोलोई और ज्योति प्रसाद अग्रवाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इन ...

शेष पेज 4 पर...

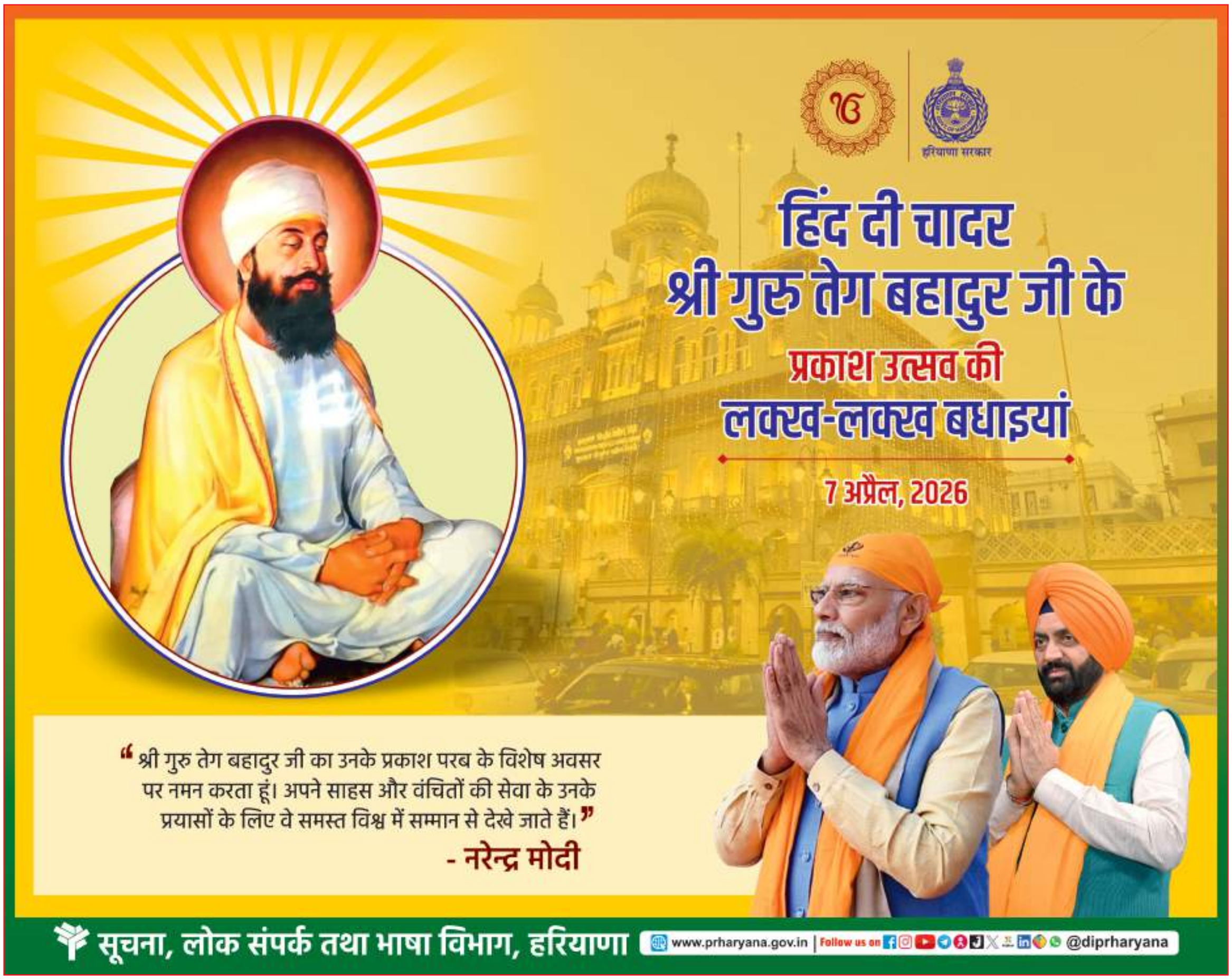

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संपादकीय

नशामुक्ति में जनसहयोग की जरूरत

आधुनिकता का अर्थ क्या यह हो गया है कि इस देश की आधी कार्य योग्य आबादी अपनी समस्याओं के बारे में न सोचे और नशे में ही डूबी रहे? आज के युवा जिस तरह का नशा कर रहे हैं, उसमें मदिरा और कच्ची शराब पुरानी चीजें हो गई हैं। अब हुक्का बार और अन्य मादक पदार्थों के सेवन के मामले देखे जा रहे हैं। सिंथेटिक नशे का दौर आ गया लगता है। गौरतलब है कि नशे का कारोबार इतना बड़ा हो गया है कि किसी भी राज्य में नशे का धंधा करने वाले या इस व्यापार के सूत्रधार देश के सुदूर कोने या विदेश में भी मिल सकते हैं। अब तो ड्रोन से भी नशीले पदार्थों की तस्करी हो रही है। हाल यह कि स्कूलों और कालेजों तक नशीले पदार्थ पहुंच रहे हैं। युवा पीढ़ी असमय बूढ़ी हो रही है, क्योंकि देश ने उसे सस्ता या मुफ्त राशन देकर भूख से न मरने देने की गारंटी तो दे दी, लेकिन रोजगार की नहीं। देश गर्व से फूला नहीं समाता कि हम डिजिटल हो गए। साइबर क्रांति हो गई। मगर स्याह तस्वीर तो यह है कि देश के युवा बेरोजगार हैं और नशे में डूब रहे हैं। हम रोबोट युग की कल्पना कर रहे हैं, मगर सपने साकार करने वाली वह पीढ़ी ही तैयार नहीं कर रहे। इससे पहले युवा पीढ़ी पलायनवादी हो गई थी और डालर और पाउंड के मोह में सात समंदर पार जाकर करोड़पति हो जाना चाहती थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका प्रथम के नारे के बाद जब सभी समृद्ध देशों ने यही नीति अपना ली, तो हमारे युवा स्वदेश लौटने लगे। मगर उनके सपने धुंधले पड़ गए, क्योंकि यहां उनके लिए नौकरी नहीं थी। हालांकि रेवड़ियां बांटने से राजनीतिक दलों को फुर्सत नहीं है। उनके चुनावी एजंडे में रोजगार नहीं है। दूसरी ओर, बिना काम किए खाते में पैसे दिए जा रहे हैं। ऐसे में युवा पीढ़ी कहां जाए? निराश होकर युवा नशे में डूब रहे हैं। दूसरी ओर, व्यवसायियों ने एक के बाद एक विश्वविद्यालय परिसर तो खड़े कर दिए, लेकिन पुस्तक संस्कृति धीरे-धीरे लुप्त हो गई। जहां तक हमारे पाठ्यक्रमों, अध्यापन और शोध का संबंध है, उसमें वह परिवर्तन नहीं आया जो इस तेजी से बदलते हुए युग की कल्पना करने वाले देश में आना चाहिए था। सवाल है कि इस बीच नशीले पदार्थों का कारोबार कैसे खड़ा हो गया? युवा कहे जाने वाले इस देश में बड़ी संख्या में नौजवान नशे की गिरफ्त में क्यों नजर आते हैं? स्थिति यह है कि नशे के शिकार युवाओं की मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। देश के सरहदी इलाकों में नशे का प्रसार खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। जब सरहद पर दुश्मन खड़े हों और मुकाबला करने वाली युवा पीढ़ी नशे की कंदराओं में भटक रही हो, तो इसका क्या परिणाम होगा, इसे समझा जा सकता है। कभी सोचा भी नहीं गया था कि देश के कुछ नागरिक चंद पैसे के लिए शत्रु देशों के लिए जासूसी करेंगे और इसकी आड़ में वे नशे का कारोबार भी खड़ा कर लेंगे। कौन-सा राज्य इससे बचा है? यह किसी से छिपा नहीं है कि सरहदी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब में नशाखोरी बढ़ी है। तमाम अभियानों के बावजूद नशीले पदार्थों के तस्कर यहां पांव पसार रहे हैं। इन राज्यों में नौजवानों की जिंदगी बर्बाद हो रही है।

हैरत की बात है कि कुछ माफिया नशे का कारोबार फैला कर इतनी ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं कि वे देश की राजनीति को संचालित करने का सपना देखने लगते हैं। इन समस्याओं का समाधान बुलडोजर संस्कृति नहीं है। दुखद है कि अब यह संस्कृति हरियाणा और पंजाब में भी दिख रही है। तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अब मानवीय मूल्यों को बचाने की जद्दोजहद भी सामने आ रही है। अभी पिछले दिनों पंजाब के गांव नंगल कलां में एक नई तस्वीर नजर आई। यहां नशे के शिकार एक युवक की मौत हो गई। हालांकि ऐसी घटनाएं पहले भी हुईं और मां-बाप इसे अपनी किस्मत मान कर चुप बैठ गए। मगर अब लोग विरोध में आगे आ रहे हैं। एक नौजवान नशे के कारण इस गांव में मरा, तो उसके परिजनों ने गांव के एक परिवार पर नशीले पदार्थ बेचने का आरोप लगा कर अपने बेटे की मौत का जिम्मेदार ठहराया। नई बात यह थी कि यहां पंचायत जागी। उसने सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी परिवार को गांव से निष्कासित करने का प्रस्ताव पारित कर दिया। उनकी संपत्ति ढहाने के लिए दबाव बनाया साथ ही यह कह दिया कि अगर पुलिस और प्रशासन यह कार्रवाई नहीं करते, तो ग्रामीण खुद यह कदम उठाएंगे।

हैरत की बात है कि कुछ माफिया नशे का कारोबार फैला कर इतनी ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं कि वे देश की राजनीति को संचालित करने का सपना देखने लगते हैं। इन समस्याओं का समाधान बुलडोजर संस्कृति नहीं है। दुखद है कि अब यह संस्कृति हरियाणा और पंजाब में भी दिख रही है। तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अब मानवीय मूल्यों को बचाने की जद्दोजहद भी सामने आ रही है। अभी पिछले दिनों पंजाब के गांव नंगल कलां में एक नई तस्वीर नजर आई। यहां नशे के शिकार एक युवक की मौत हो गई। हालांकि ऐसी घटनाएं पहले भी हुईं और मां-बाप इसे अपनी किस्मत मान कर चुप बैठ गए। मगर अब लोग विरोध में आगे आ रहे हैं। एक नौजवान नशे के कारण इस गांव में मरा, तो उसके परिजनों ने गांव के एक परिवार पर नशीले पदार्थ बेचने का आरोप लगा कर अपने बेटे की मौत का जिम्मेदार ठहराया। नई बात यह थी कि यहां पंचायत जागी। उसने सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी परिवार को गांव से निष्कासित करने का प्रस्ताव पारित कर दिया। उनकी संपत्ति ढहाने के लिए दबाव बनाया साथ ही यह कह दिया कि अगर पुलिस और प्रशासन यह कार्रवाई नहीं करते, तो ग्रामीण खुद यह कदम उठाएंगे।

पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ पिछले एक वर्ष से अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने छापे मार कर सैकड़ों तस्कर पकड़े हैं। इनमें से बहुत सारे आरोपियों को सजा भी दिलवाई है। हजारों किलो नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। मगर समस्या दूर नहीं हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में 2025 में नशाखोरी से चौदह लोगों की जान गई। यह हालत केवल पंजाब की ही नहीं, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की भी है। लोगों ने घरों में अवैध शराब की भट्ठियां लगा रखी हैं। ऐसे में अवैध शराब का धंधा खूब फल-फूल रहा है। पिछले दिनों पंजाब में यह आवाज उठती रही कि राज्य में अफीम की वैध खेती करने की इजाजत दे दी जाए। यह इजाजत नहीं दी गई, लेकिन अफीम और भुक्की (चूरा पोस्त) बड़े पैमाने पर पंजाब में बिकती है। चिट्टा खाकर नौजवान बर्बाद हो रहे हैं। यह एक प्रकार का सिंथेटिक नशा है। इसे गंभीरता से लेना होगा। मंचों पर भाषण देने से जन जागरण नहीं होगा। पंजाब में नशाखोरी की समस्या बहुत भयावह हो गई है। इसलिए मानसा जिले के नंगल कलां में ही नहीं, अन्य जिलों में भी लोग अपने बच्चों को नशे के चंगुल में जाते देख कर आवाज उठाने लगे हैं। यह आंकड़ा भी सामने है कि पंजाब के करीब 4500 गांवों ने खुद को नशामुक्त घोषित कर दिया है। इसका कारण यह है कि गांवों में पढ़े-लिखे लोगों के साथ पंचायतें भी सक्रिय हो रही हैं। बेहतर तो यही होगा कि जागरूक नागरिक नशीले पदार्थों का काला कारोबार होता देखें, तो उसके खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाएं और प्रशासन को सूचित करें।

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे

धारावाहिक बने हैं, जैसे हम लोग, बुनियाद, संजीवनी, बालिका वधू, उड़ान, तारक मेहता का उल्टा चश्मा आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है। यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है। कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

लेखकः ललित गर्ग

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे हम लोग, बुनियाद, संजीवनी, बालिका वधू, उड़ान, तारक मेहता का उल्टा चश्मा आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है।

'नरेन्द्र मोदी' के नेतृत्व में सफलता के नित-नए आयाम स्थापित करती 'भाजपा'

भारत को एक समर्थ शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ राष्ट्र को प्रथम मानने का दावा करने वाले राजनेताओं के एक समूह ने वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठन किया था। भाजपा का गठन नई दिल्ली के कोटला मैदान में 6 अप्रैल 1980 को आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में तत्कालीन दिग्गज नेताओं की उपस्थिति किया गया था। उस वक्त भाजपा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए थे, जो बाद में देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे थे।

भाजपा नेतृत्व व कार्यकताओं ने सनातन धर्म संस्कृति परंपराओं को अपनाते हुए, अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं लोकहित के विषयों पर कांग्रेस के प्रति मुखर रहते हुए उसको जनता की अदालत में घेरकर के भारतीय लोकतंत्र में अपनी एक अलग ही विशिष्ट पहचान बनाते हुए सशक्त भागीदारी दर्ज करते हुए देश की राजनीति को नए आयाम देने का कार्य किया है।

जनता पार्टी की गठबंधन वाली सरकार के दौर के बाद से ही भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी आदि ने दिन-रात मेहनत करके भाजपा को अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाया और भाजपा ने अपना पहला लोकसभा चुनाव वर्ष 1984 में लड़ा था, जिसमें उसने 2 सीटों पर जीती हासिल करके भाजपा ने खाता खोला था। उसके बाद भाजपा के नेता लालकृष्ण आडवाणी

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया, जिसके चलते उस वक्त भाजपा की देश के कई राज्यों में सरकार बनी और भाजपा को कल्याण सिंह जैसा फॉयर ब्रांड राजनेता मिला था। शीर्ष नेतृत्व व कार्यकताओं की वर्षों की मेहनत के दम पर ही वर्ष 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी को गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिला था। जिसके बाद भाजपा ने अपनी जड़ें देश के अधिकांश हिस्सों में जमाने के लिए कार्य तेजी से करना शुरू किया था। अटल युग के बाद 10 वर्ष तक केन्द्र में विपक्ष में बैठने के लंबे वनवास के बाद वर्ष 2014 में प्रचंड बहुमत के साथ नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। भाजपा में यह नरेन्द्र मोदी व अमित शाह के युग जबरदस्त ढंग से प्रारंभ था।

मोदी-शाह के इस दौर में भाजपा ने राजनीति के नित-नए कीर्तिमान स्थापित किए, अपने लोकप्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में लगभग 11 करोड़ सदस्य बनाकर के विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनने का खिताब हासिल किया। वहीं मोदी-शाह की इस जोड़ी ने आज भी अपनी चाणक्य नीति व देश में विकास पर आधारित राजनीति की मजबूत नींव रखकर विपक्षी दलों की नींद उड़ानें का काम कर रखा है। आज देश में देश में दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, नगालैंड, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, बिहार और आंध्र प्रदेश में भाजपा या एनडीए सरकार हैं। देशभर में भारतीय जनता पार्टी के पास लगभग सर्वाधिक 1654 विधायक हो गए हैं। भाजपा के पास लगभग 240 लोकसभा सांसद हैं, वहीं लगभग 106 राज्यसभा सांसद हैं। देश की राजनीति में मोदी-शाह की जोड़ी का जलवा कायम है, विपक्षी दल उनकी राजनीति की काट नहीं ढूंढ पा रहे हैं। जिसके चलते देश के हृदय गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान आदि राज्यों में भाजपा काबिज है, केन्द्र के साथ कई राज्यों में भाजपा लगातार सरकार बनाने में सफल हो रही है।

बहुत सारे लोगों का मानना है कि देश में आम लोगों को मोदी राज में विकास कार्यों का बड़ा सकारात्मक परिवर्तन धरातल पर नजर आने लगा है। देश के विश्वस्तरीय नव निर्माण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत तेजी से कार्य चल रहे हैं। मोदी सरकार एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। वह भारत को विश्व गुरू के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मोदी भारत को विश्व के विभिन्न राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे है।

देश में आज भाजपा एक ऐसे प्रमुख राष्ट्रवादी दल के रूप में उभर कर सामने आ रही है जिस दल का लक्ष्य देश में सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कार्य करना है। 26 मई, 2014 को नरेन्द्र मोदी ने जब से भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की है तब से ही मोदी सरकार ने अपनी अनेक योजनाओं के माध्यम से देश में नव निर्माण के एक नए युग की शुरूआत की है। आज मोदी सरकार की नीतियां आम जनमानस के बीच लोकप्रिय हैं, मोदी सरकार की योजनाएं अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। आम लोगों को आर्थिक और सामाजिक सुधार से परिपूर्ण सुरक्षित जीवन जीने का मार्ग उपलब्ध करा रही हैं। किसानों के लिये ऋण से लेकर खाद तक की नयी नीतियां जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, आदि ने कृषि के तीव्र विकास की देशभर में एक नयी अलख जगायी है। आम जनमानस के बीच मोदी सरकार के दौर को एक नये युग के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा की मोदी सरकार सुशासन, आदर्श ग्राम योजना, स्वच्छता अभियान, योग के सहारे भारत को स्वथ्य बनाने का अभियान आदि से देश को एक नयी ऊर्जा देने का कार्य कर रही है। भाजपा की मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, अमृत मिशन, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया आदि जैसी योजनाओं से भारत को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है।

जनधन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, सुकन्या समृद्धि योजना जैसी अनेक योजनाएं देश में एक नयी क्रांति का सूत्रपात कर रही हैं। वहीं राम मंदिर निर्माण, धारा 370 की समाप्ति व पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपनी पैठ आम जनमानस के बीच और मजबूत करने का काम किया है। भाजपा के तेजतर्रार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर न्याय और हेमंत बिस्वा शर्मा की कार्यशैली की पूरे देश में चर्चा है। भारतीय जनता पार्टी ने जनता की अदालत में यह साबित कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए अपेक्षित ओजस्वी नेतृत्व आज केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास मौजूद है।

आधुनिक दौर की परवरिश

सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों में संस्कार, शिष्टाचार, विनम्रता, बड़ों के प्रति आदर भाव, देश और परिवार के प्रति जिम्मेदारी और नैतिक मूल्य भरे हों। मगर जब वे अपने बच्चों के भीतर इन मूल्यों का अभाव देखते हैं, तो कई बार चिंता में घिर जाते हैं, सोच में पड़ जाते हैं कि आखिर चूक कहां पर हो रही है। इस क्रम में जब कुछ समझ में नहीं आता है, तो आसान से शब्दों में इसका हल तलाशते हैं कि जमाना ही खराब है, इसीलिए बच्चे बिगड़ रहे हैं। विडंबना यह है कि दूसरों को दोष देने के बजाय बच्चों के संरक्षक के रूप में वे अपनी भूमिका कितनी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, आमतौर पर इस पर आत्मचिंतन और आत्म-समीक्षा नहीं करते हैं।

अब वैसे संयुक्त परिवारों के समाप्त हो जाने का दौर चल रहा है, जिनमें दादा-दादी बच्चों में संस्कार के बीज रोपा करते थे, चाचा-चाची बच्चों को प्यार-दुलार करके उनके भावनात्मक विकास में सहभागी बनते थे। बच्चे अपने परिजनों की देखरेख में एक स्वस्थ माहौल में पलते-बढ़ते थे। अब एकल परिवार का जमाना है, जहां कई बार पति और पत्नी, दोनों ही कामकाजी होते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को देर से थक कर घर आते हैं। इस बीच बच्चा किसी अन्य की देखरेख में होता है। इसी वजह से बच्चों का बचपन आज अकेलेपन से घिरता जा रहा है। छोटा-सा परिवार अगर कभी इकट्ठा भी होता है, तो रात में सोने से पहले भोजन के समय ही। वहां भी सीमित समय में एक-दूसरे से सीमित बातचीत होती है। परिवार में एक-दूसरे से संवाद की भारी कमी रहती है। उधर बच्चों के मन में जो उधेड़बुन चल रही होती है, उससे उसे अकेले ही निपटना पड़ता है। यह स्थिति बच्चों को जिद्दी, बदतमीज और उद्दंड बनाती है। वह अपनी हताशा इन्हीं तरीकों से निकालता है। जब बच्चे की बात कोई नहीं सुनता है, तो वह अपनी बात सुनाने के लिए कई बार गलत तरीका अपना लेता है। एक समस्या यह है कि अब परिजन और यहां तक कि माता-पिता भी संवाद करने के बजाय टीवी, स्मार्टफोन, टैब, कंप्यूटर में अपने आप को व्यस्त रखते हैं। बच्चों की देखभाल अधिकतर आया करती है या वह देखभाल केंद्र में संभाला जाता है। बच्चों का अधिकांश समय उनके अपने परिजनों के बिना व्यतीत होता है, जिससे उन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

कोई भी बच्चा सब कुछ सीख कर धरती पर जन्म नहीं लेता है। वह अपने आसपास के लोगों से, अपने माता-पिता से ही सीखता है। अफसोस की बात है कि अब बच्चों को माता-पिता का साथ ही कम मिल रहा है। बाहर से वह जो कुछ भी सीखता है, वह उसके पास जैसे का तैसे के रूप में आता है। यानी उन बातों में गलत बातें भी रहती हैं, सही बातें भी रहती हैं। बच्चा इस बात में अंतर नहीं कर पाता है कि क्या गलत है और क्या सही है। इसीलिए अगर बच्चों में मूल्यों और संवेदनशीलता की कमी है, तो उसके लिए सबसे ज्यादा परिजन ही होते हैं। जहां तक स्कूलों का सवाल है, वे बच्चों को अक्षर ज्ञान तो दे सकते हैं, लेकिन उन्हें व्यावहारिक और सामाजिक ज्ञान, शिष्टाचार, लोकाचार आदि नहीं सिखा सकते हैं। यह सब बच्चा आमतौर पर परिवार में ही सीखता है। कई बार ऐसा होता है कि जो बच्चे बहुत छोटी उम्र से खेल-स्कूल, देखभाल केंद्र और आया की देखभाल में रहते हैं, वह बहुत छोटी-छोटी बातें भी नहीं सीख पाते हैं। वे व्यावहारिक ज्ञान से बिल्कुल ही अनभिज्ञ रहते हैं और अपनी हर जरूरत के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं।

बच्चों को दुनिया में कैसे जीना है और किसके साथ कैसा व्यवहार करना है और अपने अंदर कैसे आत्मविश्वास पैदा करना है, यह सब भी बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। एकल या छोटा परिवार होने का सबसे ज्यादा नुकसान बच्चे ही उठाते हैं। न उन्हें अच्छी परवरिश मिल पाती है और न ही भरपूर प्यार-दुलार ही मिल पाता है। वे अपनी परंपरा अपने तीज-त्योहार से भी अपरिचित ही रह जाते हैं। बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है कि माता-पिता उनके साथ पर्याप्त समय बिताएं। अपनी आर्थिक महत्त्वाकांक्षा का भुगतान उनसे न करवाएं। उनको उनके हिस्से का प्यार-दुलार, प्रेम और सुरक्षा प्रदान करें और साथ ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना भी माता-पिता की ही महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ईमानदारी, अनुशासन, सहनशीलता, दूसरों का सम्मान, जिम्मेदारी जैसे अच्छे गुण बच्चों को बचपन से ही सीखने में सहयोग करना चाहिए। जब बच्चे अपने माता-पिता और अपने परिजनों को सच्चाई, मेहनत और विनम्रता, सादगी के साथ जीवन जीता हुआ देखते हैं, तो वे भी वही आदतें अपना कर खुद ही ये सब चीजें सीखते रहते हैं। एक अच्छे संरक्षक और माता-पिता को बच्चे अपनी मानसिक परेशानियां बिना झिझक के बता देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीपीएल व ए.ए.वाई कार्ड धारकों को मिलेगा अप्रैल व मई का गेहूं

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक पलवल महेश यादव ने बताया कि जिला के सभी बीपीएल व ए.ए.वाई कार्ड धारकों को मास अप्रैल में अप्रैल व मई 2026 का गेहूं तथा अप्रैल मास का तेल और चीनी का वितरण एक साथ किया जाएगा तथा मई मास का तेल व चीनी का वितरण मई मास में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला पलवल में 186607 बीपीएल व 11850 ए.ए.वाई राशनकार्ड है जिनमें कुल 853435 सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि जिले में 433 डिपो धारक कार्यरत है। मास अप्रैल व मई, 2026 का गेहूं, सरसों का तेल व चीनी राशन वितरण हेतु सभी डिपो धारकों के डिपो स्थलों पर पहुंचा दिया गया है। किसी भी उपभोक्ता को राशन वितरण से संबंधित कोई भी शिकायत हो तो वह सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी, पलवल व हथीन महेश कुमार से मोबाइल नंबर 9746029269 सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी, होडल / हसनपुर चांद सिंह से मोबाइल नंबर 7982037233 तथा कार्यालय जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक, पलवल दूरभाष नंबर 01275-297850 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करवा सकता है।

चोर गिरफ्तार, कार बरामद

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/भूषण कुमार। जिला पुलिस की सीआईए (एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम) हथीन ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई स्विफ्ट डिजायर कार और वारदात के समय इस्तेमाल किए गए कपड़े, मास्क व कैप भी बरामद की है। आरोपी की पहचान जाहिद निवासी मानक मोहल्ला के रूप में हुई है। सीआईए (ए.वी.टी) हथीन प्रभारी P/SI दीपक गुलिया के अनुसार, घटना 13 मार्च 2026 की है। शिकायतकर्ता अंकित सहरावत निवासी भंगूरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह शाम करीब 7 बजे अपनी डिजायर गाड़ी (HR-52-ए-3283) लेकर हथीन के बड़ी मस्जिद रोड स्थित लाइफ फिटनेस जिम आए थे। उन्होंने गाड़ी की चाबी अपने बैग में रखकर बैग जिम के अंदर रख दिया था। जब वह वर्कआउट करके लौटे, तो बैग से चाबी और बाहर से गाड़ी गायब थी। जिम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक युवक बैग से चाबी निकालकर गाड़ी ले जाता हुआ साफ दिखाई दिया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर थाना हथीन में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया था। सीआईए (ए.वी.टी) हथीन प्रभारी ने बताया कि मामले में उनके स्टाफ के राहुल ने 5 अप्रैल 2026 को मुखबिर की खास सूचना पर जाहिद उपरोक्त को रूपड़ाका-मलाई रोड से उक्त चोरीशुदा गाड़ी डिजायर सहित काबू किया। तलाशी के दौरान उसके बरामद हुई। सीआईए (ए.वी.टी) हथीन प्रभारी ने बताया कि पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी जाहिद एक आदतन अपराधी है। उस पर पहले से ही दिल्ली,नूह,पलवल के विभिन्न थानों में चोरी और अन्य संगीन धाराओं के तहत 3 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी को पेश अदालत कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

अफवाहों से बचें नागरिक, पैनिक बाइंग न करें : उपायुक्त

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिलेवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पलवल में रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला में सभी आवश्यक पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है तथा उनकी आपूर्ति पूरी तरह सुचारू और सामान्य रूप से जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की घबराहट में आने या पेट्रोलियम पदार्थों की अनावश्यक खरीदारी करने की जरूरत नहीं है।

उपायुक्त ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जिला में पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी, जमाखोरी करने वाले या अफवाह फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि वे वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखें और केवल वैध बुकिंग के आधार पर ही गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। जिले में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम कंपनियों के माध्यम से घरेलू व व्यावसायिक गैस की नियमित आपूर्ति की जा रही है और सभी कंपनियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

उपभोक्ताओं को निर्धारित दरों पर ही गैस, पेट्रोल और डीजल हो उपलब्ध : उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे जिले में उपलब्ध रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल के स्टॉक की प्रतिदिन नियमित रूप से निगरानी करें। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियां और पेट्रोल पंप अपने-अपने भंडारण एवं वितरण की सही जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएं ताकि आपूर्ति व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे।

किसी भी स्तर पर अनियमितता, कालाबाजारी या जमाखोरी की शिकायत मिलने पर तुरंत जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए ताकि किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दरों पर ही गैस, पेट्रोल और डीजल उपलब्ध हो।

आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है सरकार : गौरव गौतम

गौरव गौतम ने मौके पर पहुंचकर लिया आगजनी की घटना का जायजा

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तत्परता और मुस्तैदी से सोमवार को पलवल के सेक्टर-2 स्थित धर्मनगर कॉलोनी की झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग पर जल्द काबू पा लिया गया। समाचार लिखे जाने तक आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया गया था। हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ तथा पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल को जैसे ही घटना की सूचना मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला, डीएसपी अनिल कुमार, सीएमओ डा. सतेंद्र वशिष्ठ व अन्य संबंधित अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने झुग्गी-झोपडिड्डों में लगी आग से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी कुशल क्षेम पूछी और उन्हें सांत्वना देते हुए आगजनी की घटना को बेहद दुखद बताया। जिला प्रशासन, पुलिस जिला प्रशासन और दमकल विभाग की संयुक्त टीम ने आग पर लगातार पानी का छिडकाव कर आग पर काबू पाया तथा पीड़ित परिवारों को तुरंत प्रभाव से नजदीक स्थित प्रजापति धर्मशाला में आश्रय दिलाकर प्राथमिक उपचार और खाद्य सामग्री व अन्य सहायता प्रदान कर राहत पहुंचाई गई।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने आगजनी के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि आगजनी में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आगजनी से झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे परिवारों का सामान आग में जल गया। कहा कि पीड़ित परिवारों के लिए ठहरने, भोजन व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने आगजनी की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने आग से प्रभावित लोगों को तुरंत मेडिकल उपचार सहित अन्य सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में मजबूती के साथ आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी पीड़ित को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन लगातार स्थिति पर बनाए हुए है नजर : उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से आग से प्रभावित लोगों के लिए पलवल स्थित प्रजापति धर्मशाला में अस्थायी रूप से रहन-सहन की समुचित व्यवस्था करवा दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित लोगों के लिए भोजन, पीने के पानी और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी सुनिश्चित की गई है। साथ ही जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा प्रभावित लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटना के कारणों की जांच कर पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अनिल विज फिर संभालेंगे विभागों की कमान

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा मंत्रिमंडल की 8 अप्रैल को होने वाली बैठक में वरिष्ठ मंत्री अनिल विज भी हिस्सा लेंगे। जिसके बाद में हरियाणा सचिवालय आकर अपने दफ्तर में अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

बताया जा रहा है कि पैर में फ्रैक्चर के बाद काफी समय से वे अंबाला कैंप आफिस से ही कामकाज चला रहे थे। बताया जा रहा है कि चिकित्सकों ने उन्होंने अब मंत्रालय जाने की हरि झंडी दे दी है। वैसे, वाकर के सहारे चल रहे विज 8 को अपने विभागों श्रम और ऊर्जा, परविहन विभाग के अफसरों के साथ में मुलाकात करेंगे। इसके अलावा अब विभागों के अफसरों के साथ में मैराथन बैठकों का दौर भी चलेगा। इसके लिए मंत्री ने विभागीय अफसरों को तैयारी रखने को कहा है। यहां पर बता दें कि लगभग एक माह पहले अनिल विज अपने अंबाला छावनी स्थित आवास में बाथरूम में स्लिप हो गए थे, जहां पर उनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया था। दोनों पैरों में चोट के बाद प्लास्टर होने के कारण इस बार वे राज्य के बजट सत्र में भी हिस्सा नहीं ले सके हैं। सातवीं बार विधायक बनने वाले विज ने 8 चुनाव लड़े हैं, केवल एक ही चुनाव हारे हैं। वे मनोहर सरकार पार्ट वन से लेकर अब तीसरी बार मंत्री बने हैं।

"नशा मुक्त भारत" अभियान के तहत नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान आयोजित

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/भूषण कुमार। नशा मुक्ति टीम पलवल के टीम इंचार्ज निरीक्षक राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में पलवल-हथीन रोड स्थित न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल, भंगुरी में जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अभियान के दौरान टीम द्वारा छात्रों एवं शिक्षक विभाग से सीधा संवाद स्थापित किया गया। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, एवं सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। साथ ही नशे से बचाव के उपायों, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शिक्षा, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

नशा मुक्ति टीम द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की नशे से संबंधित समस्या, मानसिक तनाव अथवा परामर्श की आवश्यकता होने पर भारत सरकार द्वारा संचालित मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर निःशुल्क सहायता प्राप्त की जा सकती है। हेल्पलाइन की उपयोगिता एवं गोपनीयता के बारे में भी आमजन को विस्तार से समझाया गया।

अभियान के दौरान स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती सुनीता, प्रबंधन एवं शिक्षकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की तथा नशे के विरुद्ध सहयोग का आश्वासन दिया। जिला पुलिस पलवल द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे नशे से दूर रहें, अपने परिवार एवं समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा किसी भी प्रकार की नशे से संबंधित सूचना तुरंत पुलिस को दें। वहीं पुलिस अधीक्षक पलवल श्री नीतीश अग्रवाल, आईपीएस ने कहा कि पलवल पुलिस की नशा मुक्ति टीम के डोर टू डोर नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता प्रोग्रामों से जिला नशा मुक्त की राह पर है। उन्होंने नशे के खिलाफ जंग में आमजन से सक्रिय भागीदारी करने की अपील भी की।

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ने संभाला पदभार

- पुलिस की आगामी कार्ययोजना को लेकर अपनी प्राथमिकताओं के बारे में मीडिया को दी जानकारी।

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/भूषण कुमार। जिला पलवल के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, आईपीएस ने आज जिले का कार्यभार सम्भाल लिया है। हरियाणा सरकार द्वारा विगत दिनो प्रदेश मे किये गये पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियो के तबादला के आदेशों के तहत आईपीएस अधिकारी एसपी नीतीश अग्रवाल, IPS का तबादला पुलिस अधीक्षक पलवल के तौर पर किया गया था। जिला पलवल पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर साहिल ढिल्लों डीएसपी मुख्यालय पलवल व अन्य पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा स्वागत किया गया। पुलिस अधीक्षक पलवल नीतीश अग्रवाल भारतीय पुलिस सेवा, हरियाणा कैडर के 2017 बैच के अधिकारी है। उन्होंने मुंबई आईआईटी से बीटेक की है तथा अपनी मेहनत के बल पर आईपीएस का मुकाम हासिल किया है। वे स्वच्छ छवि के जनप्रिय तथा आमजन के कार्यों के लिये समर्पित पुलिस अधिकारी के तौर पर जाने जाते हैं। एसपी महोदय स्वभाव से काफी मिलनसार है, लेकिन मोस्ट वांटेड अपराधियों के लिए सिरदर्द बने रहते हैं। वहीं वे साइबर मामलों को सुलझाने के भी एक्सपर्ट हैं। इनकी प्राथमिकता हमेशा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना, क्राइम कंट्रोल के साथ-साथ क्रिमिनलस के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करना तथा आमजन की पुलिस से सम्बंधित समस्यों का अविलम्ब निपटारा व समाधान करने की रही है। जोखिम व चुनोतिपूर्ण कार्यों में उन्होंने हमेशा सफलता पाई है। वे हरियाणा के अनेक जिलों में बतौर पुलिस अधीक्षक कार्यरत रह चुके हैं।

मीडिया से रूबरू तथा एक्शन रोडमैप बारे ब्रीफिंग- नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, आईपीएस ने पदभार संभालने के तुरंत बाद आज मीडिया प्रतिनिधियों से रूबरू होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की तथा जिले में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस की आगामी कार्ययोजना को लेकर अपनी प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मीडिया प्रतिनिधियों ने पुलिस कप्तान का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

दमकल कर्मियों के समर्थन में सर्व कर्मचारी संघ

- सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप।

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/कपिल शर्मा, भूषण कुमार। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य सेंटर की ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई, जिसमें दमकल कर्मचारियों की लंबित मांगों, प्रस्तावित हड़ताल और फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए कर्मचारियों के प्रति सरकार के रवैये पर गंभीर चिंता जताई गई।

बैठक में जिला प्रधान जितेंद्र तेवतिया, सचिव हरेंद्र देशवाल, कोषाध्यक्ष देवी सिंह सेजवाल, वरिष्ठ उपप्रधान देवीराम व सतपाल करहाना, पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के राज्य उपप्रधान राकेश तंवर, मुख्य संगठन सचिव योगेश शर्मा तथा वन कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान प्रविंदर गुलिया शामिल रहे। संघ नेताओं ने कहा कि दमकल कर्मचारी हर परिस्थिति में अपनी जान जोखिम में डालकर जनता और किसानों की सुरक्षा करते हैं, लेकिन सरकार उनके प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अपना रही है और उनकी शहादत को नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने 18 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र का हवाला देते हुए बताया कि इसमें दमकल कर्मचारियों की मांगों को लेकर वार्ता शुरू करने, फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए भवी चंद शर्मा और रणवीर सिंह को सम्मान देने तथा प्रस्तावित हड़ताल टालने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बैठक में बताया गया कि 8झ9 अप्रैल 2026 को दमकल कर्मचारी राज्य स्तरीय हड़ताल पर जाने का निर्णय ले चुके हैं। गेहूं कटाई के इस मौसम में आगजनी की घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में दमकल सेवाओं का बाधित होना किसानों और आम जनता के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। संघ नेताओं ने 16 फरवरी 2026 को फरीदाबाद के मुजेसर स्थित कालकाजी स्टील कंपनी में लगी भीषण आग का जिक्र करते हुए कहा कि इस हादसे में ड्यूटी के दौरान दमकल कर्मियों ने अपनी जान गंवाई, लेकिन उनके परिवारों को अब तक न शहीद का दर्जा मिला और न ही उचित आर्थिक सहायता। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि सरकार जल्द ही सकारात्मक कदम नहीं उठाती, तो सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा दमकल कर्मचारियों के आंदोलन को हर स्तर पर समर्थन देगा और आवश्यकता पड़ने पर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। संघ ने मांग की कि शहीद दमकल कर्मियों को सम्मान दिया जाए, उनके परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही कच्चे और अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की भी मांग दोहराई गई।

पिता को पहले जीप से कुचला, फिर सिर पर तेजधार हथियार से भी किए वार

डबवाली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। डबवाली उपमंडल के गांव अहमदपुर दारेवाला में देर रात जमीनी विवाद के चलते एक बेटे ने अपने ही पिता की जीप से कुचलकर हत्या कर दी। जीप से कुचलने के बाद भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ और उसने पिता के सिर पर तेजधार हथियार से वार किए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और शोक का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डबवाली के नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गांव निवासी 65 वर्षीय जसवंत सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार जसवंत सिंह के तीन बेटे और एक बेटी है। इनमें से एक बेटे का पहले ही निधन हो चुका है।

एक बेटा और एक बेटी मानसिक रूप से अशक्त बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार कि आरोपी बेटा राम सिंह अपने पिता से अलग रहता था और दोनों के बीच लंबे समय से जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। वहीं, पंजाब में विवाहित जसवंत सिंह की बेटी मानसिक रूप से अशक्त थी। कुछ समय पहले राम सिंह के जीजा की भी मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद से वह अपनी बहन की जमीन-जायदाद की देखरेख कर रहा था। पति की मौत के बाद वह बेटी गांव में ही आकर अपने पिता जसवंत सिंह के घर रहने लगी । आरोप है कि उसने बहन की जमीन का कुछ हिस्सा बेच दिया था, लेकिन पूरी राशि उसे नहीं दी।

ताऊ - अरे मौल्लड़ अमेरिका ने ऑपरेशन ओसामा 2.0 चलाया ईरान पाइलट को पकड़ ना पाया।
मौल्लड़ - ताऊ युद्ध में सबने गंवाया।
ताऊ - सीधा बता क्या खोया क्या पाया।
मौल्लड़ - ईरान पूरा देश डुबाया नेताओं की पीढ़ी गंवाई, ट्रम्प ने साख खोई, कई जेट गिरे मार्किट टूटी, दुनिया की अर्थव्यवस्था डूबी, ऊर्जा संकट में फसी।

समाधान शिविरों से प्रशासन पर जनता का विश्वास हो रहा है और मजबूत : उपायुक्त

हरीश कुमार वशिष्ठ ने समाधान शिविर में जन शिकायतें सुनकर किया समाधान

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य जिला प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। समाधान शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं, जो मौके पर ही शिकायतों को सुनकर उनका निस्तारण करने का प्रयास करते हैं।

उपायुक्त डा. वशिष्ठ ने सोमवार को जिला सचिवालय स्थित सभागार में आमजन की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करवाया। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक को पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन मिले और उनकी समस्या का त्वरित समाधान हो। इस प्रकार के समाधान शिविरों के माध्यम से लोगों की छोटी-बड़ी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा रहा है, जिससे जनता का जिला प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और समयबद्ध तरीके से उसका समाधान सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने आमजन से भी अपील की कि वे इन शिविरों में बढ़-चढकर भाग लें और अपनी समस्याओं को खुलकर रखें, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निदेर्शानुसार आमजन की शिकायतों का त्वरित निवारण करने के उद्देश्य से जिला स्तर और उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जहां एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर लोगों की शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनते हैं और उनका तय समय सीमा के भीतर समाधान करना सुनिश्चित करते हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त डा. सुभिता ढाका, नगराधीश प्रीति रावत, डीआरओ बलराज सिंह दांगी, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा, उप सिविल सर्जन डा. रामेश्वरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए कराया योगाभ्यास

पलवल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/भूषण कुमार। आयुष विभाग पलवल के द्वारा व्यायामशाला धतीर में निरोगी तथा स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग का अभ्यास कराया जाता है। आयुष योग सहायक आचार्य कृष्ण भारद्वाज ने बताया कि हरियाणा सरकार एवं हरियाणा योग आयोग के आदेशानुसार तथा जिला आयुर्वेद अधिकारी पलवल डॉ संजीव कुमार के मार्गदर्शन में धतीर व्यायामशाला में रोजाना निःशुल्क योग क्लास कराई जाती है। हमारा उद्देश्य आमजन तक योग को पहुंचाना है क्योंकि आज के समय में हर व्यक्ति व्यस्त एवं तनाव भरी जीवनशैली,गलत दिनचर्या के कारण एवं किसी ना किसी बीमारी से ग्रस्त है। हमारा सभी से अनुरोध है कि सभी लोग योग को अपनाएं एवं जीवन रोग मुक्त बनाए। हमारे देश में लोक व्यवहार में कहा भी गया है -"पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया। तीजा सुख कुलवंती नारी, चौथा सुख पुत्र हो आज्ञाकारी।

पंचम सुख स्वदेश में वासा, छठवाँ सुख राज हो पासा ।

सातवां सुख संतोषी जीवन, ऐसा हो तो, धन्य हो जीवन "

आसान, प्राणायाम, योग क्रिया द्वारा शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है आज के समय में हमें योग करना बहुत ही आवश्यक हो चुका है इसलिए व्यामशाला में आकर 1 घंटे का समय जरूर निकालें।

होड़ल में सत्यजय टाईम्स हिन्दी दैनिक
समाचार पत्र प्राप्त करने एवं समाचार, विज्ञापन बेदखली, जमीन-जायजाद संबंधित, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, नगर परिषद संबधी सभी प्रकार के सस्ते रेट पर विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र -
अमित अग्रवाल
+919254588483, +9197282 84058

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

अग्रवाल कॉलेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में हिंदी विभाग द्वारा एम.ए. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए "काव्य लेखन में समस्याएं एवं समाधान" विषय पर

एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को काव्य लेखन के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी लेखन संबंधी समस्याओं का समाधान प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश एकांत ने काव्य लेखन के महत्व और इससे जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कविता भावनाओं को व्यक्त करने का एक बेहतरीन माध्यम है और इसके लिए शब्दावली को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक कविताओं का शुद्ध उच्चारण करने की अपील की। देवेंद्र कुमार गुप्ता और दिनेश कुमार गुप्ता की सदप्रेरणा से कॉलेज में विद्यार्थियों की पाठ्यक्रम संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस व्याख्यान में लगभग 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं को प्रश्नों के माध्यम से हल किया। हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेनू माहेश्वरी और कार्यक्रम संयोजिका डॉ. मधु सिंगला के नेतृत्व में यह व्याख्यान सफल एवं सार्थक रहा।

प्रशासन और जनता मिलकर खत्म करेंगे बाल विवाह की कुप्रथा को

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत, फरीदाबाद के गौछी सर्कल, ब्लॉक बी जोन और अन्य इलाकों में बाल विवाह के

खिलाफ जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर नागरिकों को यह संकल्प दिलाया गया कि वे किसी भी परिस्थिति में बाल विवाह नहीं करवाएंगे और न ही होने देंगे।

संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा कौशिक ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों और 21 वर्ष से कम आयु के लड़कों का विवाह अमान्य है और ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बाल विवाह को केवल सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर गंभीर असर डालने वाली बाधा बताया और समाज के हर सदस्य से इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों की शिक्षा, अधिकारों की सुरक्षा और कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है, लेकिन इन योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए समाज की सहभागिता अनिवार्य है। बाल विवाह को रोकने के लिए समाज को जागरूक करना और उसे समाप्त करने के प्रयासों में सभी का योगदान आवश्यक है। हेमा कौशिक ने यह भी बताया कि यदि कहीं बाल विवाह होने की जानकारी मिले, तो उसे तुरंत रोकने का प्रयास करें और निकटतम पुलिस थाने या चौकी को सूचित करें। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी और पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

पानीपत, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। थाना सनौली क्षेत्र के कुराड़ गांव के पास गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक बिल्लू की मौत हो गई। बिल्लू कुराड़ गांव के ही रहने वाले थे। परिजनों ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

हादसा रात हुआ। बताया जा रहा है कि कुराड़ गांव निवासी बिल्लू बाइक से किसी काम से गए थे। देर शाम करीब 7 बजे वह वापस घर जाने लगे। जैसे ही वह गांव के बाहर हाईवे पर पहुंचे तो सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बिल्लू की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने ततीमा मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाने के दिए निर्देश

दौलताबाद में खेतों के रास्ते पर कब्जे का मामला, मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश

- रेजांगला व अतुल कटारिया चौक का होगा सौंदर्यीकरण।
- मुख्यमंत्री ने सेक्टर-10 में नए आधुनिक सीवरेज सिस्टम के लिए प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश।

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में लंबित ततीमा से संबंधित सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में देरी के कारण आमजन को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, अनावश्यक विवाद और न्यायालयीन प्रक्रियाएं बढ़ती हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक श्रीमती बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 15 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 11 का मौके पर ही निपटारा किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आमजन की समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जहां भी कोई समस्या उनके संज्ञान में आती है या कोई नागरिक सीधे अपनी शिकायत लेकर आता है, उसका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्यवाही करना नहीं, बल्कि लोगों को राहत पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध निवारण करना होना चाहिए, ताकि शासन व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

रेजांगला व अतुल कटारिया चौक के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर जोर: बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने रेजांगला चौक की स्वच्छता व्यवस्था का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेजांगला चौक तथा शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक का सुनियोजित तरीके से सौंदर्यीकरण किया जाए, साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि रेजांगला स्मारक का समुचित सौंदर्यीकरण, पुनर्रचना (रेडिजाइनिंग) और समग्र उन्नयन किया जाए, ताकि इसे और अधिक आकर्षक, गरिमापूर्ण एवं प्रभावशाली बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्थानों पर हरित क्षेत्र विकसित किया जाए तथा नियमित सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, जिससे आमजन को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक वातावरण का अनुभव हो सके।

दौलताबाद में खेतों के रास्ते पर कब्जे का मामला, मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश: गांव दौलताबाद से आए एक शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अवगत कराया कि उसके खेत तक जाने वाले करीब 2 करम चौड़े रास्ते पर दो बिल्डर्स द्वारा अवैध कब्जा कर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे उसका तथा अन्य ग्रामीणों का खेतों में आवागमन बाधित हो रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कब्जा हटाकर रास्ते को मूल स्वरूप में बहाल किया जाए तथा संबंधित बिल्डर्स से दोनों ओर अतिरिक्त दो-दो फीट जगह भी खाली करवाई जाए, ताकि ग्रामीणों के लिए आवागमन सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

सेक्टर-10 में नए आधुनिक सीवरेज सिस्टम के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश: सेक्टर-10 से आए आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अवगत कराया कि क्षेत्र में पुराना सीवरेज सिस्टम होने के कारण बार-बार ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर के लिए आधुनिक और सक्षम सीवरेज सिस्टम का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाए, ताकि स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके।

टेंडर लेने के बाद घर बैठे तो होगी कार्रवाई : राणा

कुरुक्षेत्र, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। प्रदेश सरकार अनाज खरीद की व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगी है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा व परेशानी का सामना न करना पड़े और गड़बड़ियां भी रोकी जा सके। इसके लिए ही सरकार अनाज मंडियों में शुद्धिकरण कर रही है। गेट पास, बॉयोमीट्रिक व्यवस्था इसी का ही हिस्सा है। किसानों को भी इसमें सहयोग करना चाहिए।

यह कहना है प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का। वे यहां पहले पिपली फिर थानेसर अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रबंधों की व्यवस्था देखने पहुंचे थे। उन्होंने यहां आढ़तियों, अधिकारियों और किसानों से चर्चा की। कृषि मंत्री ने अब तक अनाज मंडियों में आई गेहूं, कटे गेट पास व खरीद प्रबंधों पर अधिकारियों से पूरी जानकारी ली और कहा कि किसी की भी तरफ से कोई शिकायत नहीं रहनी चाहिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने जब थानेसर अनाज मंडी में ट्रांसपोर्टरों की जानकारी ली तो अधिकारियों ने कुछ अन्य के साथ राणा जी का भी नाम लिया। इस पर कृषि मंत्री ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मेरे गले मत पा दियो। यह कहते ही हंसी का फव्वार फूट पड़ा। कृषि मंत्री ने कहा कि हर सीजन में उठान की ही समस्या रहती है। कई ट्रांसपोर्टर टेंडर लेने के बाद घर बैठ जाते हैं, जिससे उठान नहीं होता और जाम लगता है। लेकिन अब यह मनमानी सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उठान के बाद जब अनाज आगे एजेंसी के पास पहुंच जाता है तो उसके 48 घंटे बाद किसान को भुगतान होता है लेकिन ट्रांसपोर्टर व उठान एजेंसी की लापरवाही से यह भुगतान भी समय पर नहीं हो पाता लेकिन इस बार सरकार ऐसी कोताही सहन नहीं करेगी।

कृषि मंत्री ने कहा कि सीधे व सामान्य बारिश होने से कभी फसल में नुकसान नहीं होता लेकिन जब तूफान के साथ बारिश और ज्यादा मात्रा में होती है तो ही नुकसान होता है।

प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नहीं रहेगी कमी, कॉन्ट्रैक्ट पर होगी भर्ती : राव

- नूंह जिले के लिए दिया जाएगा डेढ़ गुणा वेतन : स्वास्थ्य मंत्री

चंडीगढ, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए 195 पदों पर कॉन्ट्रैक्ट आधार पर भर्ती की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। उन्होंने बताया कि नूह जिला को छोड़कर अन्य जिलों के लिए चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों में एमबीबीएस एवं डिप्लोमा की योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को एक लाख रुपए प्रति महीना तथा एमबीबीएस एवं एमडी /एमएस /डीएनबी योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1.50 लाख रुपए प्रति महीना दिया जाएगा।

विशेष तौर पर नूह जिला के लिए चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों में एमबीबीएस एवं डिप्लोमा की योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1.50 लाख रुपये प्रति महीना तथा एमबीबीएस एवं एमडी /एमएस /डीएनबी योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 2 लाख रुपये प्रति महीना दिया जाएगा।

आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के सभी नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों

में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति से मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा मिलेगी और मौजूदा डॉक्टरों पर कार्यभार भी कम होगा।

उन्होंने जानकारी दी कि स्त्री रोग, बाल रोग, एनेस्थीसिया, मेडिसिन, सर्जरी और ऑर्थोपेडिक जैसे महत्वपूर्ण विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। इनमें सबसे अधिक पद स्त्री रोग और बाल रोग विभाग में हैं, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष रूप से मजबूत किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने के लिए वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से चयन किया जाएगा। उम्मीदवारों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह कदम प्रदेश के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और दूर-दराज क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस निर्णय से हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

रेडक्रॉस नशामुक्ति केन्द्र में लाइब्रेरी स्थापना

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल करते हुए इनर व्हील क्लब फरीदाबाद इंडस्ट्रियल टाउन ने सेक्टर-14 स्थित रेडक्रॉस नशा मुक्ति केन्द्र में एक सुसज्जित लाइब्रेरी स्थापित की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य केंद्र में भर्ती नशा छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को सकारात्मक, शांतिपूर्ण और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करना है, जिससे उनके मानसिक एवं भावनात्मक पुनर्वास को बल मिल सके। क्लब की प्रधान मनीता सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस लाइब्रेरी की स्थापना विशेष रूप से मरीजों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की गई है।

उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केवल दवाइयों और चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए मानसिक मजबूती, सकारात्मक सोच और समय के सही उपयोग की भी आवश्यकता

नशामुक्ति केन्द्र में इलाज करा रहे लोगों से मुलाकात करते रेडक्रास सोसायटी सचिव बिजेन्द्र सौरोत। छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

होती है। इसी उद्देश्य से लाइब्रेरी में मनोरंजन और ज्ञानवर्धन से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। लाइब्रेरी में मरीजों के लिए मनोरंजक, प्रेरणादायक और धार्मिक पुस्तकों का प्रबंध किया गया है, जो उनके भीतर सकारात्मक ऊर्जा और आत्मबल को बढ़ाने में सहायक होंगी। इसके अलावा, इनडोर खेल सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे मरीज अपने खाली समय का सदुपयोग कर सकें और मानसिक तनाव से दूर रह सकें। क्लब द्वारा लाइब्रेरी के संचालन को सुचारू बनाने के लिए 10 कुर्सियां और 2 मेज भी प्रदान की गई हैं, जिससे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिए एक व्यवस्थित वातावरण तैयार हो सके। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव बिजेंद्र सोरौत ने क्लब के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल नशा मुक्ति की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाती है। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति को नशे की लत से बाहर निकालने के लिए केवल चिकित्सकीय उपचार पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसे मानसिक शांति, सकारात्मक गतिविधियों और सामाजिक सहयोग की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी कहा कि लाइब्रेरी की स्थापना से केंद्र में एक ऐसा माहौल तैयार हुआ है, जहां मरीज अपने समय को रचनात्मक कार्यों में लगा सकेंगे। जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा डागर ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रयास नशा मुक्ति केंद्र में रह रहे लोगों के जीवन में नई आशा और दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सामाजिक पहलें न केवल जरूरतमंदों की सहायता करती हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत बनाती हैं। सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प लिया।

चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ दर्ज अपराधिक मामले का प्रकाशन जरूरी

- मतदान की तारीख से दो दिन पहले तक कम से कम तीन बार करवाना होगा प्रकाशित।

चण्डीगढ, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। राज्य चुनाव आयोग हरियाणा द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

इन निदेर्शानुसार यदि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज एवं लंबित हैं या जिन मामलों में उन्हें पहले दोषी ठहराया गया हैं, उन्हें ऐसे मामलों के बारे में कम से कम एक हिंदी और एक इंग्लिश सहित दो अखबारों में एक घोषणा प्रकाशित करनी होगी। सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिकाओं के चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को पहले ही ऐसे उम्मीदवारों को खड़ा करने वाले राजनैतिक दलों को निर्देश जारी किए थे, जिनके खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज एवं लंबित हैं या जिन मामलों में उन्हें पहले दोषी ठहराया गया है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य में अब यह घोषणा प्ररुप 1-क में उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख के अगले दिन से और मतदान की तारीख से दो दिन पहले तक कम से कम तीन बार प्रकाशित करवाई जानी होगी। ऐसे सभी उम्मीदवारों को उन अखबारों की कॉपी भी जमा करनी होंगी। प्रवक्ता ने बताया कि उदाहरण स्वरूप अगर नाम वापस लेने की अंतिम तिथि महीने की 10 तारीख है और मतदान की तिथि महीने की 20 तारीख है, तो यह घोषणा महीने की 11 से 18 तारीख तक अलग-अलग तीन तारीखों पर अवश्य पब्लिश की जानी चाहिए।

शेष पेज एक...

एआई और डिजिटल शिक्षा से बदल रहा ...

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बने। इसी उद्देश्य से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष के तहत 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। वर्ष 2025-26 में 350 से अधिक शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 90 प्रस्तावों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस वर्ष भी इस कोष के लिए अतिरिक्त 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत बिना पर्ची-खर्ची के लगभग 2 लाख युवाओं को रोजगार दिया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार द्वारा एआई एवं डिजिटल कॉलेज की स्थापना की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जहां आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण प्रणाली लागू होगी। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये का विशेष कोष भी स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करें और मानसिक, शारीरिक एवं नैतिक रूप से मजबूत बनें। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में सफलता के लिए समर्पण और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय प्रशासन को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे मिलकर हरियाणा और भारत को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लें। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह सहित शिक्षकगण व उपाधि प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट का मद्रास हाई कोर्ट ....

कई रिपोर्टों में प्लास्टिक पैकिंग के अंदर माइक्रो प्लास्टिक होने की बात सामने आई है। कोर्ट का मानना है कि जनता को इस खतरे के बारे में पता होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आज का बाजार ग्राहकों की पसंद पर निर्भर है। लोग अब खुद जागरूक हो रहे हैं और उन्होंने पानी की बोतलों सहित प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करना शुरू कर दिया है। यह पूरा मामला 'पीईटी पैकेजिंग एसोसिएशन फॉर क्लीन एनवायरनमेंट' की एक याचिका से जुड़ा है। इस संस्था ने मद्रास हाई कोर्ट के फरवरी 2024 के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को आदेश दिया था कि वह इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी करे। हाई कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, पानी की सभी प्लास्टिक बोतलों पर गहरे लाल रंग के मोटे अक्षरों में यह चेतावनी होनी चाहिए।

इसी तरह, प्लास्टिक में बिकने वाली चीनी और नमक के पैकेट पर भी यह जानकारी देना जरूरी है। हाई कोर्ट ने ऋरअकसे कहा था कि वह सभी कंपनियों को इसे सख्ती से लागू करने का निर्देश दे। यह काम आदेश की कॉपी मिलने के चार हफ्तों के भीतर पूरा होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि ऐसी चेतावनी से लोगों के बीच डर या घबराहट फैल सकती है। जस्टिस नाथ ने कहा, 'लोग प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल कम कर रहे हैं और इस पर ध्यान दे रहे हैं। इसमें (चेतावनी दिखाने में) कुछ भी गलत नहीं है।' इसके बाद याचिकाकर्ता के वकील ने याचिका वापस लेने और हाई कोर्ट जाने की अनुमति मांगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मंजूर कर लिया।

आत्मनिर्भर ऊर्जा तंत्र विकसित ...

मिशन फॉर एडवांस एंड हाई इम्पैक्ट रिसर्च विद्युत मंत्रालय एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के लिए एक सतत एवं आत्मनिर्भर ऊर्जा तंत्र विकसित करना है। बैठक के दौरान एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, ग्रिड स्टोरेज सोल्यूशन, एमिशन कंट्रोल डिवाइस तथा अल्ट्रनेट बैटरी स्टोरेज टैक्नालॉजी जैसी उन्नत एवं भविष्य उन्मुख तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को गति मिलेगी और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विद्युत मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे मिशन फॉर एडवांस एंड हाई-इम्पैक्ट रिसर्च शीर्षक वाले राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य बिजली क्षेत्र में नवीनतम और उभरती प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी अनुसंधान, विकास और प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाना है। यह मिशन उभरती प्रौद्योगिकियों की पहचान करके और उन्हें कार्यान्वयन के चरण में ले जाकर भविष्य के आर्थिक विकास के लिए मुख्य ईंधन के रूप में अपना योगदान देता है और विद्युत क्षेत्र में भारत को दुनिया का एक विनिर्माण केंद्र बनाना इसका उद्देश्य है।

मिशन को दो मंत्रालयों के तहत ऊर्जा मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के वित्तीय संसाधनों को पूल करके वित्त पोषित किया जा रहा है। किसी भी अतिरिक्त धन की आवश्यकता भारत सरकार के बजटीय संसाधनों से जुटाई जाती है। 2023-24 से 2027-28 तक पांच साल की प्रारंभिक अवधि के लिए बनाई गई इस योजना का मकसद विद्युत क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी योगदान देता है। पिछले करीब 12 वर्षों में भारतीय विद्युत क्षेत्र एक जीवंत और वित्तीय रूप से व्यवहार्य क्षेत्र में बदल गया है।

इसके लिए न केवल बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता है, बल्कि अनुसंधान और नवाचार द्वारा संचालित परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का मानना है कि जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और जीवन स्तर में सुधार हो रहा है, घरों, उद्योगों, कृषि और सेवा क्षेत्रों में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। इस मांग को बड़े पैमाने पर पूरा करने के लिए न केवल अधिक बिजली उत्पादन की आवश्यकता है, बल्कि एक ऐसे तंत्र की भी जरूरत है जो इसे विशाल भौगोलिक क्षेत्रों तक पहुंचा सके।

इस व्यापक विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पारंपरिक और नवीकरणीय दोनों स्रोतों से उत्पादन क्षमता में निरंतर वृद्धि की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान (31 जनवरी 2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52,537 मैगावाट की उत्पादन क्षमता जोड़ी गई है। इसमें से 39,657 मैगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त हुई है, जिसमें 34,955 मैगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मैगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। यह एक ही वर्ष में अब तक की सबसे अधिक क्षमता वृद्धि है, जिसने वित्तीय वर्ष 2024-25 में हासिल किए गए 34,054 मैगावाट के पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है।

'असम में जनता का उत्साह...

महान हस्तियों ने असम समाज को दिशा दी है। इन्हीं पूर्वजों की प्रेरणा से भाजपा-एनडीए सरकार डिब्रूगढ़ को एक बड़े व्यापारिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित कर रही है।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नुमालीगढ़ से डिब्रूगढ़ तक का हाईवे कांग्रेस की असम के प्रति उपेक्षा का स्पष्ट उदाहरण है। यह परियोजना 2005 में स्वीकृत हुई थी, लेकिन 2013 तक इसमें कोई प्रगति नहीं हुई, जबकि इस दौरान केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी।

'कांग्रेस ने असम के साथ सौतेला व्यवहार किया'

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के साथ सौतेला व्यवहार किया, जिसके कारण अपर असम और बराक घाटी जैसे क्षेत्रों का विकास प्रभावित हुआ। इस उपेक्षा के चलते असम लंबे समय तक पिछड़ा और विभाजित रहा।

कांग्रेस के दशकों के कुशासन ने असम की कनेक्टिविटी की कोई चिंता नहीं की। बोगिबिल ब्रिज हो, भूपेन हजारिका सेतु हो, जोरहाट-माजुली सेतु हो, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों पर बन रहे ऐसे सेतु इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई पर पहुंचा रहे हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कुछ दिन पहले, दुनिया ने मोरान में एक शानदार नजारा देखा, जहां भाजपा-एनडीए सरकार द्वारा बनाए गए एक नए हाईवे पर लड़ाकू विमानों ने लैंडिंग की। मैं भी वायुसेना के साथ-साथ उसी सड़क पर उतरा। महज दस साल पहले, असम के लोगों को सड़कों की बुनियादी सुविधाओं, यानी गाड़ियों के चलने लायक सड़कों, के लिए भी गुहार लगानी पड़ती थी।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धांजलि सभा 8 को

सोहना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। वार्ड नंबर 8 स्थित केला गोदाम क्षेत्र में रहने वाली शांति देवी (लगभग 80 वर्ष) का हाल ही में निधन हो गया। वह स्वर्गीय कृपाराम सुथार की धर्मपत्नी, अजीत सिंह सुथार की माता एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता व महामंत्री सत्यवीर सुथार की चाची थीं। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। परिजनों द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 8 अप्रैल 2026 को उनके निवास स्थान, केला गोदाम के समीप, श्रद्धांजलि सभा एवं हवन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह हवन से प्रारंभ होगा, जिसमें परिजन, रिश्तेदार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग आहुति देकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके उपरांत प्रातः लगभग 11:00 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा। सत्यवीर सुथार ने बताया कि शांति देवी ने अपने जीवन में कठिन परिश्रम और संघर्ष के बल पर परिवार को सुदृढ़ बनाया तथा सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में परिवार की पहचान स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। परिवार ने सभी शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों से श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है। शोकाकुल परिवार में उनके पुत्र ललित सुथार, राहुल सुथार एवं रोहित सुथार सहित अन्य सदस्य शामिल हैं, जो इस कठिन समय में एक-दूसरे का सहारा बने हुए हैं।

जगबीर सिंह ने तहसील में बढ़ाई सुविधाएं

सोहना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। तहसील परिसर में आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में नायब तहसीलदार जगबीर सिंह द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा

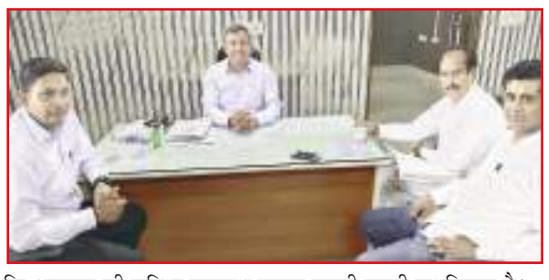

कि आमजन की सुविधा उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है।

जानकारी के अनुसार, तहसील में रजिस्ट्री पंजीकरण के दौरान पहले लोगों को धूप में खड़े होकर कार्य करवाना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए टीन शेड का निर्माण कराया गया, जिससे अब लोगों को धूप, गर्मी, सर्दी और बारिश से राहत मिल रही है। इसके साथ ही, परिसर में बैठने की बेहतर व्यवस्था के लिए कुर्सियां, सीलिंग फैन और एसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ठंडे पेयजल के लिए आरओ सिस्टम भी लगाया गया है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है।

व्यापार मंडल के प्रधान अशोक गर्ग ने नायब तहसीलदार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने 5 महीने के कार्यकाल में तहसील की व्यवस्था को बेहतर बनाने का सराहनीय कार्य किया है।

नायब तहसीलदार जगबीर सिंह ने कहा कि तहसील में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

फाइनेंस कमेटी की बैठक सम्पन्न, विकास कार्य जल्द होंगे शुरू : सुनील कुमार

सोहना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। नगर परिषद कार्यालय में फाइनेंस कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर के विभिन्न विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार रंगा ने कहा कि कमेटी में पारित सभी विकास कार्यों को जल्द शुरू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक वार्ड के पार्षदों से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के लगभग पांच प्रमुख विकास कार्यों की सूची दो दिनों के भीतर संबंधित कनिष्ठ अभियंताओं को सौंपें। इसके आधार पर कनिष्ठ अभियंता आसिफ तंवर, विशाल सिंह, मनदीप सिंह और शाहरुख खान द्वारा एस्टीमेट तैयार कर टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

कार्यकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि फाइनेंस कमेटी में जिन विकास कार्यों को मंजूरी मिल चुकी है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाएगा। साथ ही, वार्डों में लंबित पड़े विकास कार्यों को भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से विकास हो सके। उन्होंने कहा कि नगर परिषद में कनिष्ठ अभियंता, म्यूनिसिपल इंजीनियर, कार्यकारी अभियंता एवं अन्य स्टाफ पूरी तरह सक्रिय हैं और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। यदि किसी अधिकारी द्वारा कार्य में लापरवाही या देरी की जाती है, तो उसके खिलाफ स्पष्टीकरण लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पार्षदों की मांगों को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया।

न्यायालयों और राजस्व न्यायालयों में लागू होगी ई-समन प्रणाली

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत सभी न्यायालयों तथा सभी राजस्व न्यायालयों में समन जारी करने और उनकी तामील के लिए ई-समन प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में जारी एक पत्र में सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले न्यायालयों और प्राधिकरणों को समन जारी करने और तामील के लिए ई-समन प्रणाली का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश जारी करें। साथ ही, राज्य के सभी राजस्व न्यायालयों को भी इस प्रणाली को अपनाने और इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मामलों के निपटान में तेजी लाई जा सके। गौरतलब है कि 3 फरवरी, 2026 को गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें नए आपराधिक कानूनों (एनसीएल) के कार्यान्वयन तथा एनसीएल पोर्टल की समीक्षा की गई थी।

कोबरा को पकड़कर करतब दिखा रहा था व्यक्ति, काटने से मौत

करनाल, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। करनाल के संधीर गांव में व्यक्ति द्वारा कोबरा सांप को पकड़कर उससे करतब दिखाना भारी पड़ गया। जब व्यक्ति कोबरा सांप से लोगों को करतब दिखाने लगा तो सांप ने उसकी अंगुली पर काट लिया जिससे व्यक्ति की मौत हो गई। गांव के सरपंच सतीश ने बताया कि उनके गांव में शमशान घाट में काम चला हुआ था, वहां पर काम कर रहे मजदूरों ने उन्हें कहा कि यहां पर काले रंग का एक सांप है, तभी उन्होंने सांप पकड़ने वाले सतीश फफड़ाना को फोन कर दिया था। उसने आधे घंटे तक गांव में पहुँचने की बात कही। पीछे से वहां पर राजेंद्र ने वहां जाकर सांप को पकड़ लिया। सरपंच ने कहा कि वहां पर लगे मजदूरों ने भी राजेंद्र को रोका, लेकिन वह रुका नहीं। उसके बाद उसने कोबरा सांप को उठाकर गले में डाल लिया। इसके बाद कोबरा सांप ने हाथ पर उसे काट लिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

सुपवा के छात्रों की क्रिएटिविटी की हिसार में रही गूंज

जीजेयू हिसार के तीन दिवसीय साहित्योत्सव अक्षरम की क्रिएटिव पार्टनर रही सुपवा

रोहतक, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्र-छात्राओं की क्रिएटिविटी को तीन दिवसीय साहित्योत्सव अक्षरम में जमकर सराहना मिली। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू), हिसार में आयोजित किए गए अक्षरम की क्रिएटिविटी पार्टनर डीएलसीसुपवा रही। इस दौरान सुपवा के छात्र-छात्राओं ने फैशन शो, बैंड, डांस आदि प्रस्तुत किए, जबकि पेंटिंग, स्कल्पचर, पॉटरी आदि कलाओं का लाइव प्रदर्शन किया।

डीएलसीसुपवा को जीजेयू, हिसार ने अक्षरम के लिए रचनात्मक साझीदार बनाया था। इसमें शिरकत करने के लिए कुलगुरु डॉ अमित आर्य की अगुवाई में सुपवा से 140 छात्र-छात्राएं, फैकेल्टी सदस्य व अन्य स्टाफ हिसार गया। डॉ आर्य अक्षरम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे, जबकि हरियाणा का साहित्य और पत्रकारिता में योगदान विषय पर आयोजित संगोष्ठी का भी हिस्सा रहे। अक्षरम के दौरान डीएलसीसुपवा के छात्रों को अपनी प्रतिभाएं दिखाने के लिए अलग-अलग मंच व स्थान अलॉट किए गए। कहीं फिल्म एंड टेलीविजन के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया तो कहीं शारीरिक गति के मनोभाव का प्रदर्शन किया। लॉन एरिया में विजुअल आर्ट्स के छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा से अक्षरम में पहुंचे अतिथियों व हिसारवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लाइव पेंटिंग, स्कल्पचर मेकिंग, पॉटरी आदि देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। लोग बार-बार छात्रों से उनकी प्रतिभा के बारे में जानकारी लेते नजर आए। पेंटिंग कोर्स की द्वितीय वर्ष छात्रा लक्षिता जांगड़ा ने विद्या की देवी मां सरस्वती की पेंटिंग बनाई, जो हिसार के एक परिवार को बेहद पसंद आई और उन्होंने इसकी खरीदारी की।

अनु मलिक ने की आर्ट एग्जीबिशन की शुरूआत: अक्षरम में आने वाले लोगों को अपने कार्य-कलाप बताने के लिए डीएलसीसुपवा की ओर से आर्ट एग्जीबिशन लगाई गई। इसमें डिजाइन, विजुअल आर्ट्स आर्किटेक्चर व फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी में होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसमें छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए कार्य, मॉडल आदि प्रदर्शित किए गए। आर्ट एग्जीबिशन की शुरूआत प्रख्यात गायक व संगीतकार अनु मलिक रिबन काटकर

किया। उन्होंने आर्ट एग्जीबिशन का दौरा करते हुए सुपवा की गतिविधियों की सराहना की। अनु मलिक ने कहा कि हरियाणा में इस विधा का विश्वविद्यालय होना फिल्म इंडस्ट्री व देश के लिए गौरव की बात है।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दिखा फैशन का जलवा: जीजेयू के मेन ऑडिटोरियम का मंच सुपवा के छात्र-छात्राओं के फैशन शो के दौरान रैंप ऑडिटोरियम में बदलता हुआ महसूस हुआ। यहां छात्रों ने प्रोफेशनल मॉडल की भांति वॉक करते हुए पारंपरिक व आधुनिक भारतीय परिधान पेश किए। इस दौरान सभागार लगातार तालियां से गूंजता रहा। सुपवा के छात्र-छात्राओं को फैशन शो करने के लिए डेढ़ घंटे का समय अलॉट किया गया। इस दौरान रंग-बिरंगी रोशनी व अलग-अलग म्यूजिक की बीट्स पर सधे हुए कदमों के साथ छात्र-छात्राओं ने कैटवॉक की। फैशन शो के दौरान मॉडल की तरह छात्रों ने विशेष तौर पर डिजाइन किए गए कपड़ों व अन्य उत्पाद के साथ आत्मविश्वास, सीधी पीठ व लयबद्ध कदमों के साथ वॉक की। इस दौरान उनके आई कॉन्टैक्ट, चेहरे के एक्सप्रेशन और शालीनता भरी वॉक पर तालियों की गड़गड़ाहट चलती रही।

एफटीवी के छात्रों की प्रस्तुति से बंधा समां: जेजीयू के मुख्य ऑडिटोरियम के रिसेप्शन एरिया में सुपवा के फिल्म एंड टेलीविजन फैकेल्टी के छात्रों ने शारीरिक गति के मनोभाव का प्रदर्शन किया। छात्र प्रिंस, पुष्कर व सीनियर भारती की मूक अभिव्यक्ति व अदाकारी पर लगातार तालियां बजती रही। रवि मदीना व भारती के युगल डांस ने जमकर तालियां बटोरी, जबकि सपना के बोल तेरे मीठे-मीठे गाने पर डांस को जमकर सराहना मिली। यश के डांस के अलावा भारती के सोलो डांस के साथ जीजेयू के छात्र भी झूमते नजर आए। शाम के समय खुले परिसर में एफटीवी के 15 छात्रों ने नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक किया। इस दौरान नशे के शरीर पर आने वाले दुष्प्रभावों के साथ ही नशे से समाज को हो रहे नुकसान के बारे में भी बताया गया। एफटीवी के छात्रों ने ऑपरेशन सिंदूर को नृत्य नाटिका के जरिए रोंगटे खड़े करने वाले, लेकिन शानदार अंदाज में पेश किया।

आर्ट एग्जीबिशन में प्रदर्शित कार्यों ने किया मंत्रमुग्ध: जीजेयू के मुख्य ऑडिटोरियम के क्रश हॉल में डीएलसीसुपवा के फैकेल्टी ऑफ डिजाइन, फैकेल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स, फैकेल्टी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन व फैकेल्टी ऑफ आर्किटेक्चर के अंतर्गत चल रहे विभागों की ओर से कराए जा रहे कार्यों को दशार्या गया। जिसमें स्कल्पचर, चित्रकला, आर्किटेक्चर मॉडल, प्रॉडक्ट डिजाइन में बनाए गए फर्नीचर, लाइफ स्टाइल असेसरीज में बनाए गए डिजाइन व जूते शामिल रहे। यहीं पर एफटीवी के छात्रों की नेशनल व इंटरनेशनल अवार्ड वीनिंग फिल्मों के बारे में पोस्टर्स से जानकारी दी गई। एनिमेशन डिपार्टमेंट में बनाए गए चित्रों को प्रदर्शित किया गया। जबकि, एडवरटाइजिंग से संबंधित विभिन्न सामाजिक विषयों बेटी बचाओ, पर्यावरण संरक्षण आदि पर बनाए पोस्टर प्रदर्शित किए गए। टेराकोटा और सिरेमिक से बने आर्टिस्टिक वर्क को भी एग्जीबिशन में शोकेस किया गया।

सुपवा बैंड की धुनों पर थिरकी जीजेयू: अक्षरम के पहले दिन रात 9:30 बजे से 11:30 बजे तक ओपन थियेटर में सुपवा बैंड ने करीब 2 घंटे की रंगारंग प्रस्तुति दी। बैंड ने शिव शिव शंकरा से भगवान शिव को प्रणाम करते हुए अपनी प्रस्तुतियों की शुरूआत की। इसके बाद शुरू हुआ प्रस्तुतियों का सिलसिला करीब 2 घंटे तक निर्बाध चलता रहा। हजारों छात्रों की मौजूदगी व लगातार मिले साथ व तालियों ने सुपवा बैंड का जमकर उत्साहवर्धन किया। इस दौरान नए-पुराने फिल्मी गीतों के अलावा रैप सॉन्ग भी अपने अंदाज में पेश किए। जीजेयू के छात्रों की भारी मौजूदगी व उनकी पुरजोर मांग के कारण यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने रात 11:30 बजे तक सुपवा बैंड की प्रस्तुति जारी रखने की इजाजत दी। इस दौरान सुपवा बैंड की जमकर सराहना हुई।

सिरसा में स्थापित होगा किन्नू जूस संयंत्र

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में फल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा किन्नू उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लिया है। इसके लिए, सिरसा स्थित वीटा मिल्क प्लांट परिसर में लगभग 26.39 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रसंस्करण संयंत्र लगाया जा रहा है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस महत्वाकांक्षी परियोजना की समीक्षा की। यह परियोजना 33 वर्ष की रियायत अवधि के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिससे सभी हितधारकों को लाभ होगा। हरियाणा डेयरी द्वारा संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग तीन एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि निजी भागीदार संयंत्र एवं मशीनरी, आवश्यक सिविल ढांचा स्थापित करेगा तथा संयंत्र का संचालन करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि परियोजना के तहत मुख्य रूप से फल एवं सब्जी प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से किन्नू जूस प्रसंस्करण पर जोर दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर परियोजना को वायबिलिटी गैप फंड की सुविधा भी प्रदान की जा सकती है। भविष्य में आवश्यकता अनुसार कृषि आधारित अन्य प्रसंस्करण उद्योगों की संभावनाएं भी तलाश की जा सकती हैं।

हरियाणा डेयरी डेवलपमेंट कोऑपरेटिव फेडरेशन के प्रबंध निदेशक रोहित यादव ने बताया कि हरियाणा में प्रतिवर्ष लगभग 4.40 लाख मीट्रिक टन किन्नू का उत्पादन होता है, जिसमें अकेले सिरसा जिले का योगदान लगभग 55 प्रतिशत है। प्रस्तावित संयंत्र में प्रतिवर्ष लगभग 9,000 मीट्रिक टन किन्नू तथा 12,600 मीट्रिक टन अन्य फलों का प्रसंस्करण कर उच्च गुणवत्ता वाला पैकेज्ड जूस तैयार किया जाएगा। विशेष रूप से किन्नू उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत भाग, जो प्रायः बी-ग्रेड फल होता है और पहले कम कीमत पर बिकता था, अब मूल्य संवर्धन के माध्यम से उपयोग में लाया जाएगा, जिससे सीधे तौर पर किसानों की आय बढ़ेगी। इस पहल की एक प्रमुख विशेषता इसका किसान-केंद्रित दृष्टिकोण है, जिसके तहत कच्चे माल की खरीद प्रदेश के किसानों से की जाएगी।

तहसीलदारों की विभागीय परीक्षा 27 से

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्त तथा तहसीलदारों की विभागीय परीक्षाओं के लिए तिथियों की घोषणा कर दी है। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि ये परीक्षाएं 27 अप्रैल से 1 मई 2026 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं का आयोजन "सार्थक राजकीय एकीकृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-12ए, पंचकूला" में किया जाएगा। जारी डेटशीट के अनुसार, 27 अप्रैल को सुबह सत्र (10:00 बजे से 1:00 बजे तक) में क्रिमिनल लॉ (प्रथम पेपर) तथा शाम के सत्र (2:00 बजे से 5:00 बजे तक) में सिविल लॉ की परीक्षा होगी। इसके बाद 28 अप्रैल को सुबह क्रिमिनल लॉ (द्वितीय पेपर) और शाम को फाइनेंशियल रूल्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी। 29 अप्रैल को सुबह क्रिमिनल लॉ (तृतीय पेपर) आयोजित होगा, जिसमें सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्तों के लिए जेल से संबंधित विषय भी शामिल होंगे, जबकि तहसीलदारों के लिए पाठ्यक्रम अलग रहेगा। इसी दिन शाम के सत्र में रेवेन्यू लॉ (प्रथम पेपर) की परीक्षा होगी। इसके बाद 30 अप्रैल को सुबह लोकल फंड्स तथा शाम को रेवेन्यू लॉ (द्वितीय पेपर) आयोजित किया जाएगा। परीक्षाओं का समापन 1 मई को होगा, जिसमें सहायक आयुक्त/अतिरिक्त सहायक आयुक्तों के लिए भाषा (हिंदी) तथा तहसीलदारों के लिए पटवारी मेंसुरेशन और उर्दू विषयों की परीक्षा होगी।

दीनबंधु छोटूराम ईमानदारी, सामाजिक न्याय और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक थे : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने छात्रों को नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए किया प्रेरित

चंडीगढ, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज हरियाणा के सोनीपत स्थित दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने दीनबंधु छोटूराम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें ईमानदारी, सामाजिक न्याय और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि दीनबंधु छोटूराम ने किसानों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं और न्यायसंगत भूमि व्यवस्था पर छोटूराम के प्रयास ने एक मजबूत कृषि ढांचे की नींव रखी, जिससे हरियाणा एक समृद्ध कृषि राज्य के रूप में उभरा और देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेताओं में लगभग 64 प्रतिशत महिलाएं हैं और कुल उत्तीर्ण छात्रों में भी लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव का परिणाम बताया। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवाचार, आत्मविश्वास और स्वदेशी समाधानों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कोविड -19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका को याद करते हुए कहा कि जहां कई देशों ने वैक्सीन पर पेटेंट के माध्यम से लाभ कमाने की कोशिश की, वहीं भारत ने न केवल अपने नागरिकों को मुफ्त टीके उपलब्ध कराए, बल्कि 100 से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराकर अपनी उदारता का परिचय दिया। उपराष्ट्रपति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों की चर्चा करते हुए छात्रों से इन्हें जिम्मेदारी के साथ अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए युवाओं से इसे पूरी तरह त्यागने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं को नशा मुक्त समाज के दूत बनने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और कठिनाइयों से उबरने की क्षमता से तय होती है। उन्होंने छात्रों को धैर्य और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करने की सलाह देते हुए कहा कि धर्म की हमेशा अधर्म पर विजय होती है। उपराष्ट्रपति ने शिक्षा में औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा व्यक्ति को स्वतंत्र सोच, आत्मविश्वास और भारतीय विरासत पर गर्व करना सिखाती है।

क्या समाप्त हो जाएगा, प्रदेश अनुशासन कमेटी का महत्व ?

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अनुशासन कमेटी ने उन बागी विधायकों को लेकर अपनी सिफारिश तीन अप्रैल को हाईकमान के पास भेज दी थी, जिन पर आरोप है कि उन्होंने राज्यसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ वोट दिया, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद भी हाईकमान ने अनुशासन कमेटी की सिफारिशों पर कोई संज्ञान नहीं लिया है, वहीं इन कथित बागी विधायकों में से दो ने जहां खुल्लमखुल्ला पार्टी के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है वहीं दो ने अप्रत्यक्ष रुप से पार्टी के एक वरिष्ठ नेता पर आरोपों की झडी लगा रखी है, ऐसे में यदि हाईकमान इतने दिनों तक प्रदेश स्तरीय अनुशासन कमेटी की सिफारिशों को उस स्थिति में दरकिनार करेगा, जब की हाईकमान ने इसी तरह के आरोप में अन्य प्रदेश में कार्रवाई करने में एक दिन का समय भी नहीं लिया, तो फिर अनुशासन कमेटी का महत्व क्या रह जाएगा, यह सोचनीय बिषय है? असल में इस मामले में एक चर्चा और राजनैतिक गलियारों में जोर शोर से चल रही है कि ऐसी कौन सी शक्ति है कि इन कथित पांच बागी विधायकों को बचाने के काम में लगी है? क्योंकि पहले तो विधायक दल की बैठक में आला नेता इनके खिलाफ कार्रवाई करने से बचते नजर आए, उन्होंने मामला अनुशासन कमेटी पर डाल दिया, और जब अनुशासन कमेटी ने सिफारिश केन्द्रीय नेतृत्व को भेज दीं हैं तो केन्द्रीय नेतृत्व इस तरह ध्यान देने को तैयार दिखाई नहीं देता?

टैंडरों पर उठती सरकारी की उंगली ?

नगर निगम के टैंडर इन दिनों खासी चर्चाओं में हैं, पिछले दिनों नगर निगम द्वारा किए गए कई टैंडरों को लेकर अब चंडीगढ में भी उंगली उठने लगी है, चर्चा है कि निगम द्वारा पिछले दिनों आयोजित पुष्प मेले की तैयारियों को लेकर जो टैंडर किया गया था, उस पर विवाद खडा हो गया है और उपर से उस टैंडर को स्वीकृति नहीं मिली है, यही कारण है कि अब एक कमेटी के माध्यम से इस मेले की तैयारियों को करने वाली कम्पनी को भुगतान करने की तैयारी है? यही नहीं निगम द्वारा पिछले दिनों कुछ थैले छपवाए गए थे, लेकिन जब इसके टैंडर के लिए स्वीकृति मांगी गई तो वह भी चंडीगढ स्तर पर ही नहीं दी गई, जिसके पीछे कारण यह बताया गया कि इस थैले पर निगम ने फोटो छापते समय कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं किया, और एक फोटो अतिरिक्त तौर पर छपवा दिया, अब इन छप चुके थैलों का भुगतान कहां से होगा यह तो जांच का बिषय है, लेकिन गत दिवस अधिकारिक प्रयोग के लिए कुछ थैले केवल प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के फोटो के साथ आनन फानन में छापवाए गए। चर्चा तो यह भी है कि मुखिया जी की रैली के टैंट के लिए टैंडर को लेकर भी चंडीगढ सक्रिय हो सकता है, क्योंकि एक अप्रैल को एक करोड से अधिक राशि का टैंडर जारी करने की बात थी, जबकी काम होना शुरु हो गया था, अब चर्चा है कि जो अनुमानित लागत थी, उससे भी अधिक खर्च इस रैली में हुआ है, अब अधिकारी असमंजस में हैं कि बिना टैंडर के इतना बडा भुगतान संभव नहीं हैं, इस कारण चंडीगढ पर सबकी निगाह लगी हैं? असल में टैंडर के लिए कम से कम पांच दिन का समय होना चाहिए, लेकिन पिछले दिनों निगम में देखा यह जा रहा है कि टैंडर बाद में होते हैं काम पहले हो जाते हैं, जिसको लेकर अब चंडीगढ मुख्यालय सख्त दिखाई देने लगा है?

कांग्रेस में संगठन को लेकर लैटर बम्ब की तैयारी ?

राहुल गांधी के जिलाध्यक्षों के नाम पर प्रदेश में कांग्रेस संगठन खडा करने की तैयारियों में लगी कांग्रेस को ब्लाकाध्यक्षों की घोषणा से पहले झटका लग सकता है, राजनैतिक गलियारों में इन दिनों यह चर्चा जोरों पर है कि अपने विरोधी विधायकों को क्रॉस वोटिंग मामले में लपेटने के बाद एक गुट विशेष के कांग्रेसी नेता जिन में विधानसभा चुनाव लड चुके नेता प्रमुख हैं, उन जिलाध्यक्षों के खिलाफ मुहिम चला सकत हैं जो इस गुट से सबंध नही रखते हैं? असल में प्रदेश में इन दिनों एक ही गुट अधिक प्रभावी है तथा यह भी सभी जानते है कि उसी गुट के नेताओ को विधानसभा चुनावों में मौका मिलता रहा है, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है जब इस बार जिलाध्यक्षों के मामले में केन्द्रीय नेताओं का सीधा हस्तक्षेप रहा है और हर गुट के नेताओं को जिलाध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन चर्चा है कि अब जहां पर दूसरे गुटों के जिलाध्यक्ष हैं, उन जिलाध्यक्षों के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड चुके नेता मोर्चा खोल सकते हैं? हालांकि अभी यह मुहिम किस तरह से चलाई जाएगी, इसको लेकर मंथनों का दौर चल रहा है, लेकिन माना जा रहा है कि कांग्रेस में यह मुहिम जल्द ही जोर पकड सकती है?

जननायक जयंती रही फीकी ?

हरियाणा निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जननायक की सोमवार को जयंती थी, हालांकि कुछ स्थानों पर उनको याद किया गया, उनके एक पौत्र ने दिल्ली संसद भवन पहुंच कर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए, कई जिलो में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, लेकिन फरीदाबाद में जननायक की जयंती का यह पर्व फीका रहा, हालांकि एक समय था जब इस जिले में उनके अनुयायियों की संख्या काफी ज्यादा थी, यहां पर पृथला गांव को उनको गढ माना जाता था, एकाधिक बार उनके परिवार को यहां से चुनाव लडने का न्यौता भी दिया जाता रहा है, लेकिन आज उनकी जयंती पर लोगों का रूखापन यहां पर चर्चाओं में है।

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

डिस्पोजल वर्कर्स यूनियन ने कमिश्नर को दिया मांग पत्र

लुधियाना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। आज 6/4/26 को हमारी डिस्पोजल वर्कर्स यूनियन और दूसरे ग्रुप्स ने मिलकर

कमिश्नर मैडम लुधियाना को एक डिमांड नोटिस दिया। जिसमें जरूरी बातें लिस्ट सीनियरिटी के आधार पर बनाई जाए।

वार्ड मेंटेनेंस के लिए टूल्स कर्मचारियों को समय पर दिए जाएं। लंबे समय से पेंडिंग डेथ केस की फाइलें जल्द से जल्द क्लियर की जाएं। ओवरएज चार्ज जल्द से जल्द फाइनल किए जाएं। लुधियाना के वाड्र्स को प्राइवेट कंपनियों को कॉन्ट्रैक्ट न दिया जाए। साथियों, कमिश्नर मैडम ने हमारी बातें बहुत ध्यान से सुनने के बाद, इन मुद्दों को सुलझाने के लिए 24 अप्रैल 2026 को सुबह 11:00 बजे हमारे लिए एक स्पेशल मीटिंग रखी है, जिसमें हमारी यूनियन, ग्रुप्स और कमिश्नर मैडम के बाकी सभी ऑफिसर और साथी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर हमारे प्रेसिडेंट विजय कुमार कॉमरेड,प्रेसिडेंट गुरजीत, प्रेसिडेंट महिपाल, लंबडदार विजय,लंबडदार सुरिंदर, लंबडदार जोनी,प्रदीप, अशोक, विनोद, राजदेव,सनी, संजय व अन्य मीटिंग में मौजूद हैं।

पंजाब सरकार हर दाने की खरीद के लिए कमिटेड है : डीसी

लुधियाना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने अधिकारियों को जिले की सभी अनाज मंडियों में सही इंतजाम करने के निर्देश दिए ताकि किसानों, मजदूरों और आढ़तियों को बिना किसी परेशानी के गेहूं की आसानी से और समय पर खरीद हो सके। बचत भवन में हुई एक रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, डिप्टी कमिश्नर ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार के पक्के वादे को दोहराया और कहा कि वे किसानों द्वारा लाए गए गेहूं का हर दाना खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि चल रहे खरीद सीजन के दौरान किसानों की सुविधा के लिए पहले से ही पूरे इंतजाम किए गए हैं। हिमांशु जैन ने जोर देकर कहा कि अनाज मंडियों में अपनी उपज लाने वाले किसानों के लिए सभी अनाज मंडियों में साफ-सफाई, पीने के पानी और बैठने की पूरी सुविधा होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को हर अनाज मंडी में साफ-सफाई और बेसिक सुविधाओं का हाई स्टैंडर्ड बनाए रखने का निर्देश दिया। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि इस सीजन में जिले की 109 अनाज मंडियों में 8,16,473 मीट्रिक टन गेहूं आने की उम्मीद है।

उन्होंने सभी खरीद एजेंसियों मार्कफेड, फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, पनग्रेन, पनसप, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन, पंजाब मंडी बोर्ड और फूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट को बारदाना और दूसरी जरूरी चीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हिमांशु जैन ने सभी सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट से अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में खरीद प्रक्रिया की खुद निगरानी करने और कोई कमी दिखने पर तुरंत सुधार के कदम उठाने को भी कहा।

कोर्ट ने नौ पुलिसकर्मियों को दिया मृत्युदंड

मदुरै, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मदुरै की जिला अदालत ने सोमवार को सातांकुलम में हिरासत में मौत के मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिस कर्मियों को मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने कहा कि यह मामला 'दुर्लभतम' श्रेणी का है। इन पुलिसकर्मियों को जून 2020 में पी. जेयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की हिरासत में हत्या और यातना के मामले में दोषी पाया गया। जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी। लेकिन अपराध पुलिस ने किया है। इसलिए साधारण सजा नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि यह हिरासत में हिंसा का स्पष्ट उदाहरण है। साक्ष्यों से पता चला कि पिता और पुत्र को पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया। निरीक्षक एस श्रीधर ने हमले के लिए उकसाया। जबकि, अन्य कर्मी हिंसा और उसके बाद सबूतों को छिपाने में शामिल थे। पुलिस ने जेयराज (58 वर्षीय) और बेनिक्स (31 वर्षीय) को 19 जून 2020 को हिरासत में लिया था। उन पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने का आरोप लगाया गया था। कुछ दिनों बाद उनकी कोविलपत्ती सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि पुलिस हिरासत में उन्हें क्रूर यातना दी गई थी।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर साबित किया कि सातांकुलम थाने में उन पर क्रूर हमला हुआ था। थाने में पाए गए खून के धब्बे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटें मुख्य साक्ष्य रहे। आरोपी विशेष उप-निरीक्षक पॉल्दुराई की मुकदमे के दौरान कोरोना से मौत हो गई थी। यह मामला पूरे देश में हिरासत में हिंसा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस का केंद्र बन गया था। अब सजा सुनाए जाने के बाद मामला अंतिम चरण में प्रवेश कर गया है। पीड़ितों के वकील जबा सिंह ने कहा, अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ए1 से ए9 तक सभी आरोपियों को मौत की सजा दी गई। पहले आरोपी (ए1) को 24 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश मिला। दूसरे आरोपी (ए2) को 16.30 लाख रुपये देने होंगे। कुल मिलाकर मृतक बेनिक्स की मां को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी मुआवजा नहीं देंगे तो उनकी संपत्ति जब्त कर बेच दी जाएगी और राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

अधिवक्ता समीर हत्याकांड में तीन दोषियों को फांसी

मुजफ्फरनगर, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मुजफ्फरनगर शहर कोतवाली क्षेत्र के अधिवक्ता समीर सैफी (28) की अपहरण के बाद हत्या के मामले में अदालत ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। एक दोषी को सात साल की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-तीन के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने फैसला सुनाया।

शहर के लद्दावाला से 15 अक्तूबर 2019 की शाम संदिग्ध हालात में अधिवक्ता समीर सैफी गायब हो गए थे। इसके बाद 19 अक्तूबर को भोपा क्षेत्र के सीकरी में शव बरामद हुआ था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि 40 लाख के लेन-देन के विवाद में अधिवक्ता का अपहरण कर हत्या की वारदात अंजाम दी गई थी। वादी अजहर ने मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने बकरा मार्केट निवासी सोनू उर्फ रिजवान, सिंगोल अल्वी, शालू उर्फ अरबाज एवं भोपा के सीकरी निवासी दिनेश के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से छह गवाह अदालत में पेश किए। शनिवार को आरोपियों पर दोष सिद्ध हुआ था। अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए सोनू उर्फ रिजवान, सिंगोल अल्वी, शालू उर्फ अरबाज को फांसी की सजा सुनाई। चौथे आरोपी दिनेश को सात साल की सजा सुनाई गई। पुलिस ने खुलासा किया था कि समीर का आरोपियों के साथ करीब 40 लाख रुपये के लेन-देन का हिसाब था। मृतक अपने रुपये मांग रहा था लेकिन आरोपियों ने देने से मना कर दिया और हत्या की साजिया रची। शहर से कार में ले जाकर भोपा क्षेत्र के सीकरी फार्म पर रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को मिट्टी में दबा दिया।

दर्पण आहलूवालिया ने बच्चों को वितरित कीं स्टेशनरी, ड्राइंग बुक्स और किताबें

इलाके को गोद लेकर नशा मुक्त बनाने का ऐलान

लुधियाना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। सिविल और पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही नशा मुक्त घोषित किए गए मीट मार्केट इलाके में खन्ना पुलिस ने एक नई और सराहनीय पहल करते हुए घर-घर संपर्क मुहिम शुरू की है। कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद की मौजूदगी में इस इलाके को गोद लेकर नशा मुक्त बनाने का ऐलान किया गया था, जिसके बाद अब सिविल और पुलिस प्रशासन इस लक्ष्य को जमीन पर पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया की अगुवाई में चल रही इस मुहिम ने लोगों के दिलों में पुलिस के प्रति नया भरोसा पैदा किया है। इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पुलिस पारंपरिक तरीकों से हटकर सीधे लोगों के घरों तक पहुंच रही है। एसएसपी खुद सादे कपड़ों में मीट मार्केट इलाके में पहुंचे और घर-घर जाकर परिवारों से बेहद सहज और अपनत्व भरे अंदाज में बातचीत की।

इस दौरान लोगों को खुलकर अपनी समस्याएं साझा करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें कहा गया कि वे नशे के खिलाफ इस लड़ाई में पुलिस का साथ दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें। पुलिस ने यह भी भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।इस मुहिम का उद्देश्य केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के साथ विश्वास का मजबूत रिश्ता बनाना भी है। एसएसपी और उनकी टीम ने बच्चों के साथ भी विशेष रूप से समय बिताया। बच्चों से बातचीत कर उन्हें अच्छे भविष्य के लिए प्रेरित किया गया और सही दिशा में आगे बढ़ने की सीख दी गई।इसके अलावा एसएसपी ने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के मकसद से 150 से ज्यादा बच्चों को ड्राइंग बुक्स, प्रेरणादायक किताबें और कहानी की पुस्तकें भी वितरित की गईं। इससे बच्चों में रचनात्मकता बढ़ेगी और वे नकारात्मक गतिविधियों से दूर रहेंगे।

इलाके के लोगों ने पुलिस के इस मानवीय और दोस्ताना रवैये की खुलकर सराहना की। उनका कहना है कि पहले पुलिस से बात करने में झिझक होती थी, लेकिन अब पुलिस खुद उनके दरवाजे पर आकर उनकी बात सुन रही है, जिससे भरोसा काफी बढ़ा है।स्थानीय लोगों ने एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया की विशेष रूप से प्रशंसा की और कहा कि उनके नेतृत्व में खन्ना पुलिस ने नशे के खिलाफ लड़ाई को नई दिशा दी है। यह पहल साबित करती है कि सख्ती के साथ-साथ समझदारी और सहयोग से भी बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

मशीनों पर सब्सिडी के लिए एप्लीकेशन जमा करें किसान : गुरदीप सिंह

लुधियाना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। लुधियाना जिले के चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर डॉ. गुरदीप सिंह ने कहा कि पिछले साल लुधियाना जिले में 2023 से फसल अवशेष जलाने की घटनाओं में 87 परसेंट और 2024 से 34 परसेंट की कमी दर्ज की गई, जो पंजाब के कई दूसरे जिलों से ज्यादा थी। उन्होंने कहा कि यह जिले के किसानों के सहयोग, सब्सिडी पर दी गई 9000 से ज्यादा खेती की मशीनों और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की तरफ से बड़े पैमाने पर चलाए गए जागरूकता कैंपेन की वजह से ही मुमकिन हो पाया है। इसी कड़ी में, पंजाब सरकार इस साल खेती के ऐसे मशीनरी पर सब्सिडी दे रही है जो धान की पराली वगैरह जैसे फसल के बचे हुए हिस्सों को मैनेज करने में मदद करती हैं। खेती के मशीनरी पर सब्सिडी के लिए जिले के किसानों से एप्लीकेशन मांगी गई हैं। किसान यह एप्लीकेशन 24 अप्रैल 2026 को शाम 5.00 बजे तक खेती विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। उन्होंने जिले के सभी किसानों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा किसान इस स्कीम के तहत दी जा

रही सब्सिडी का फायदा उठाएं ताकि लुधियाना जिले में धान की पराली जलाने का चलन पूरी तरह खत्म हो सके और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि ज्यादा जानकारी के लिए किसान संबंधित ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर/असिस्टेंट एग्रीकल्चर इंजीनियर (संध) या चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर के ऑफिस में संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि धान की पराली संभालने वाली मशीनें जैसे बेलर, रोक, हैप्पी सीडर, स्मार्ट सीडर, सुपर सीडर, जीरो टिल ड्रिल, रिवर्सिबल हल, पैडी स्ट्रा चॉपर/श्रेडर/मल्चर, क्रॉप रीपर, श्रब मास्टर/रोटरी स्लेशर और कंबाइन पर सुपर रटर आदि खरीदने के लिए 50 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक या स्कीम की हिदायतों के अनुसार सब्सिडी पाने के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन मंगाए गए हैं।

मांगों को लेकर संघर्ष होगा तेज : लांबा

चंडीगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। केंद्र एवं राज्य सरकार कर्मचारियों की पुरानी पेंशन लागू करने, ठेका संविदा कर्मियों को रेगुलर करने, सरकारी विभागों एवं पीएसयू के निजीकरण व लेबर कोड्स पर रोक आदि मांगों को लेकर कर्मचारी आंदोलन तेज करेंगे।

यह जानकारी देते हुए अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बताया कि निर्णायक आंदोलन के पहले चरण में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को तैयार करने के लिए सांगठनिक वर्कशॉप एवं ट्रेड यूनियन क्लास आयोजित की जाएगी। जिसकी शुरूआत 14 अप्रैल से उत्तरी भारत के राज्यों की चंडीगढ़ से की जाएगी। जिसमें हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड राज्यों के कार्यकता एवं पदाधिकारी भाग लेंगे। जिसको अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा व महासचिव ए.श्री कुमार संबोधित करेंगे। लांबा ने बताया कि कर्मचारी लंबे समय से पीएफआरडीए एक्ट रद्द कर पुरानी पेंशन लागू करने की मांग को लेकर संघर्षरत है। लेकिन सरकार ने ओपीएस बहाली की बजाय एक नई स्कीम यूपीएस लागू कर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। उन्होंने बताया कि देश में पचास लाख से ज्यादा रेगुलर स्वीकृत रिक्त पदों के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

जहां उन्हें ना तो पूरा वेतन मिल रहा है और ना ही सरकार उन्हें रेगुलर करने की पॉलिसी बना रही है। सरकार 18 महीने के बकाया डीए डीआर को रिलीज करने को तैयार नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्यों और पीएसयू में वर्कलोड व आबादी के अनुसार करीब एक करोड़ पद रिक्त हैं।

पत्रकारिता पर संयम जरूरी : सीएम

कहा-जनमानस को विचलित करती है एक ही खबर में भिन्नता

गोरखपुर, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमों में समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक ही तथ्य को अलग-अलग माध्यमों से प्रस्तुत करने पर जनमानस में भ्रम फैलता है। यह स्थिति मीडिया के प्रति जनविश्वास को प्रभावित करती है। इसलिए सभी अंगों को समान मानक, मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारिता को कभी बेलगाम न होने देने का आह्वान किया। उन्होंने मूल्यों और आदर्शों के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। भारत में पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' रहा है। मुख्यमंत्री ने समाज को गुमराह करने वाली पत्रकारिता से बचने की सलाह दी। सामाजिक और मुद्रित माध्यम में खबर की भिन्नता जनमानस को विचलित करती है। सरकार मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता के साथ सदैव खड़ी है। लोकतंत्र संवाद से चलता है, जिसमें आलोचना को व्यक्तिगत रंजिश नहीं मानना चाहिए। पत्रकारिता समाज का आईना है और जनविश्वास का प्रतीक है। सही-गलत के प्रति एक भाव में रहना आवश्यक है। महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने भी पत्रकारिता को देश सेवा का माध्यम बनाया। तिलक ने 1916 में लखनऊ से 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा प्रसारित किया था। पत्रकारिता ने कठिन मार्गों का अनुसरण करते हुए सदैव अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में भी पत्रकारिता ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूती दी है। 200 वर्ष पहले 30 मई 1826 को कोलकाता से हिंदी पत्रकारिता की शुरूआत हुई थी। जुगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड का शुभारंभ किया था। उन्होंने देश की आजादी के स्वर को तेज करने के लिए पत्रकारिता को माध्यम बनाया। यह शानदार यात्रा 200 वर्ष से बिना रुके आगे बढ़ रही है। भारतीय पत्रकारिता का आधार उपनिषदों की 'सत्यमेव जयते' सूक्ति से प्रेरित है। विघटनकारी शक्तियों की चुनौती हमेशा रही है, पर हमें इन बाधाओं से विचलित नहीं होना है।

सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति अपनी शून्य सहिष्णुता की नीति जारी रखी है। समाज के प्रत्येक वर्ग को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने पत्रकारों के लिए भी विभिन्न आवासीय योजनाएं चलाई हैं।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों को नकद रहित चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। गोरखपुर में पत्रकारिता की दिशा राष्ट्रभक्ति के भाव को बढ़ाने वाली होनी चाहिए। आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना में पत्रकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार मूल्यों व आदर्शों पर आधारित पत्रकारिता के साथ सदैव खड़ी है।

जसवीर सिंह ने गुरु तेग बहादुर की शहादत को दी श्रद्धांजलि

- पंजाब सरकार ने अंबेडकर जी के सिद्धांतों पर चलते हुए जनकल्याण के काम किए : जसवीर सिंह

लुधियाना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। पंजाब स्टेट शेड्यूल्ड कास्ट कमीशन के चेयरमैन एस. जसवीर सिंह गढ़ी ज्ञानजोत डिवाइन स्कूल, बुढ़ेवाल (लुधियाना) में धन धन श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत को समर्पित फंक्शन में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने नौवें गुरु, धन धन श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत को नमन करते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत इंसानियत के लिए एक अनोखी शहादत है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में नहीं मिलती। हिंद की चादर के

सम्मान से सम्मानित गुरु साहिब ने धर्म, न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना सिर कुर्बान कर दिया। उन्होंने कहा कि भाई सती दास जी, भाई मति दास जी और भाई दयाला जी की शहादत भी सिख इतिहास का वह सुनहरा अध्याय है, जो दुनिया को सच्चाई और धर्म का संदेश देता है।

जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि आज से करीब 350 साल पहले, नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के पवित्र शीश का अंतिम संस्कार गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में किया गया था।

इस मौके पर भाई घनैया वेलफेयर एंड रिसर्च ट्रस्ट के प्रेसिडेंट भूपिंदर जैन और ज्ञानजोत डिवाइन स्कूल की प्रिंसिपल कुलप्रीत कौर ने चीफ गेस्ट, चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी और दूसरे मेहमानों का स्वागत किया और ऑडियंस को स्कूल की रिच विरासत के बारे में बताया। इससे पहले, चेयरमैन जसबीर सिंह गढ़ी ने ज्ञानजोत डिवाइन स्कूल, बुढेवाल के शानदार कंप्यूटर रूम, लैब, लाइब्रेरी और दूसरे क्लासरूम देखने के बाद भाई घनैया वेलफेयर एंड रिसर्च ट्रस्ट के प्रेसिडेंट, ट्रस्टी मेंबर्स और स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा स्टूडेंट्स के लिए किए गए बेहतरीन इंतजामों की तारीफ की।

बाद में, चेयरमैन जसवीर सिंह गारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं पिछले एक साल से पंजाब स्टेट शेड्यूल्ड कास्ट कमीशन के चेयरपर्सन के तौर पर पंजाब और पंजाबियत की सेवा कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जयंती भी मनाई जानी है और एक संस्था 11 अप्रैल को लुधियाना में भी डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जयंती मनाने के लिए एक प्रोग्राम करेगी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आने वाले तीन-चार महीनों में बाबा साहेब की जयंती को समर्पित करीब 100 प्रोग्राम में शामिल होऊंगा।

उन्नाव दुष्कर्म मामले में कुलदीप सेंगर को राहत नहीं, सुनवाई टली

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उन्नाव दुष्कर्म मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। मामले में उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को इस मामले की सुनवाई टाल दी है। अब अदालत मई के पहले सप्ताह में इस पर विचार करेगी। यह सुनवाई केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका पर होनी थी, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि अभी नौ न्यायाधीशों की बेंच सबरीमाला मामले की सुनवाई कर रही है। वह काम पूरा होने के बाद ही इस केस को सुना जाएगा। सेंगर के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत में दलील दी कि उनके मुवक्किल को पीड़िता के पिता की मौत के मामले में भी 10 साल की सजा मिली है। उन्होंने कहा कि सेंगर की 10 साल की सजा जल्द ही पूरी होने वाली है और वह 7 साल 5 महीने जेल में काट चुके हैं। इसलिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। वकील ने यह भी आरोप लगाया कि पीड़िता के वकील जानबूझकर सुनवाई में देरी कर रहे हैं। हालांकि, पीड़िता के वकील महमूद प्राचा ने इन आरोपों को गलत बताया। इस मामले में सबसे बड़ा विवाद 'लोक सेवक' की परिभाषा को लेकर है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 23 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में कहा था कि सेंगर को पॉक्सो कानून के तहत सजा मिली है, लेकिन एक विधायक भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 21 के तहत 'लोक सेवक' की श्रेणी में नहीं आता। उच्च न्यायालय ने यह भी तर्क दिया था कि सेंगर सात साल और पांच महीने जेल में काट चुका है, इसलिए उसकी अपील लंबित रहने तक सजा पर रोक लगाई जा सकती है। सीबीआई ने उच्च न्यायालय के इस तर्क को पूरी तरह गलत बताया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि यह एक नाबालिग बच्ची के साथ हुआ बहुत ही भयानक अपराध है। सीबीआई ने एलके आडवाणी मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि सांसद और विधायक 'लोक सेवक' ही माने जाते हैं।

लेखपाल रिश्वत लेता रंगे हाथ गिरफ्तार

रामपुर, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। विरासत दर्ज करने के नाम पर पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगना एक लेखपाल को भारी पड़ गया। एंटी करप्शन टीम ने सोमवार को उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। स्वार के वार्ड एक निवासी अब्दुल जाहिद ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी कि उनके पिता की मृत्यु के बाद छह एकड़ कृषि भूमि चार भाइयों के नाम विरासत में दर्ज होनी है।

भूमि का कुछ हिस्सा स्वार तहसील और कुछ टांडा तहसील के ग्राम घोसीपुरा में स्थित है। विरासत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने पर हल्का लेखपाल शम्भू कुमार ने आवेदन खारिज कर दिया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, कारण पूछने पर लेखपाल ने मिलने बुलाया और प्रति व्यक्ति दो हजार रुपये की मांग की। बाद में पांच हजार रुपये में काम करने की सहमति बन गई। इसके बाद पीड़ित ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत कर दी। शिकायत के आधार पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद इकाई के निरीक्षक कृष्ण अवतार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने शिकायतकर्ता को केमिकल लगे नोट देकर ट्रैप की योजना बनाई।

सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे लेखपाल ने अब्दुल जाहिद को दढ़ियाल तिराहे पर टांडा बाजपुर अड्डे के पास अपनी कार में बुलाया और पांच हजार रुपये ले लिए। जैसे ही उसने रुपये लिए, पहले से तैयार टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। इसके बाद उसे कोतवाली टांडा लाया गया, जहां पूछताछ के बाद टीम अपने साथ ले गई। साथी लेखपाल की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही अन्य लेखपालों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग कोतवाली पहुंच गए।

गेहूं की कटाई से पहले किसानों ने डिप्टी कमिश्नर ऑफिस का किया घेराव

लुधियाना, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने गेहूं की कटाई से ठीक पहले लुधियाना डिप्टी कमिश्नर ऑफिस के सामने बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। कामरेड अमर सिंह जलालदीवाल, कामरेड सतनाम सिंह वड़ैच,बलराज सिंह कोटुमरा,नजर सिंह सियार, गुरसेवक सिंह मंजालिया, मनप्रीत सिंह, हरजिंदर कौर की अगुआई में हुए प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि किसानों और मजदूरों के सभी कर्ज माफ किए जाएं।

कर्ज और आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या करने वालों के परिवारों को 10 लाख रुपये दिए जाएं, जल संरक्षण और शुद्धिकरण के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। हर खेत तक नहरी पानी पहुंचाया जाए, हर घर तक पीने का पानी पहुंचाने की गारंटी दी जाए। नदी के पानी का मुद्दा रिपेरियन-बेसिन सिद्धांत और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हल किया जाए। नदियों, नहरों और नालों में प्रदूषित पानी छोड़ने से रोका जाए।राज्य के अधिकारों में केंद्र का दखल बंद किया जाए, जंगल का एरिया बढ़ाने के लिए पेड़ लगाने को बढ़ावा दिया जाए। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत जमीन का रेट मार्केट प्राइस और दूसरे फैक्टर्स को जोड़कर तय किया जाए, बाघा बाहदर और हुसैनीवाला के रास्ते मिडिल ईस्ट के देशों और पाकिस्तान के साथ रोड और रेल से ट्रेड खोला जाए।नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 कैंसिल की जाए, नेशनल एग्रीकल्चर मार्केटिंग पॉलिसी कैंसिल की जाए।अगस्त-सितंबर 2025 में आई बाढ़ का मुआवजा दिया जाए, यूरिया के दाम में की गई बढ़ोतरी वापस ली जाए, बॉर्डर पर लगाए गए तार को बॉर्डर लाइन के और करीब ले जाया जाए।

प्रदर्शन के अंत में प्रशासनिक अधिकारियों के मांग पत्र लेने न आने से नाराज प्रदर्शनकारी डिप्टी कमिश्नर के मुख्य गेट पर पहुंचे और नारेबाजी की। जिसके चलते पुलिस के साथ हल्की नोकझोंक भी हुई। किसानों ने मांग पत्र लेने आए तहसीलदार को मांग पत्र नहीं दिया, उन्होंने कहा कि वे डीसी या एडीसी से कम किसी को मांग पत्र नहीं देंगे। किसानों के दबाव के आगे झुकते हुए अउ्ठ ने मांग पत्र ले लिया।

हार्दिक-माहिका के रिलेशनशिप के बीच नताशा ने शेयर की अनदेखी तस्वीर

मुंबई, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और नताशा स्टेनकोविक ने जुलाई 2024 में उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला कर लिया था, और फिलहाल हार्दिक माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं। कपल अक्सर अपनी फोटो भी सोशल मीडिया पर भी पोस्ट करते रहते हैं। लेकिन इस बीच नताशा स्टेनकोविक ने एक पोस्ट शेयर की है, जो काफी वायरल हो रही है, क्योंकि वह पोस्ट हार्दिक पांड्या से जुड़ा हुआ है।

बता दें कि नताशा स्टेनकोविक की यह हालिया पोस्ट में वह अपने एक्स-हसबैंड हार्दिक पांड्या के परिवार के साथ नजर आईं। खास बात यह है कि इसमें हार्दिक की मां नलिनी पांड्या और उनका बेटा अगस्त्य भी दिखाई दे रहे हैं। तलाक के बाद नताशा बहुत कम ही हार्दिक के परिवार के साथ नजर आई हैं, इसलिए यह तस्वीर फैंस के लिए काफी सरप्राइजिंग रही। सोशल मीडिया पर यह फोटो तेजी से वायरल हो गई। तलाक के बाद नताशा अपनी पर्सनल लाइफ को काफी प्राइवेट रख रही हैं। वह ज्यादातर समय अपने बेटे अगस्त्य और अपने करीबी दोस्तों के साथ बिताती हैं। लेकिन इस नई तस्वीर से साफ लगता है कि अलग होने के बावजूद दोनों परिवारों के बीच सम्मान और जुड़ाव अभी भी बना हुआ है, खासकर अपने बेटे की परवरिश के लिए।

बता दें कि नताशा और हार्दिक ने जनवरी 2020 में सगाई की थी और उसी साल लॉकडाउन के दौरान शादी कर ली थी। 2020 में ही उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। बाद में 2023 में दोनों ने फिर से ग्रैंड तरीके से शादी की थी। लेकिन कुछ समय बाद दोनों के रिश्ते में दूरियां आ गईं और जुलाई 2024 में उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला कर लिया। फिलहाल हार्दिक माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं।

एकता कपूर ने बताई 'भूत बंगला' के टलने की वजह

मुंबई, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निमार्ता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधरः द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं!

फटे-चिथे कपड़े पहनकर अचानक सीढ़ियों से कूदे अक्षय कुमार

मुंबई, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। अक्षय कुमार की हालत देखकर एक बार तो फैंस और पैपराजी चौंक गए। वह फटे कोट, शर्ट में दिखाई दिए। फिर अचानक सीढ़ियों से कूद गए। इस बीच फैंस ने भी उन्हें घेर लिया। इसके बाद क्या हुआ? अक्षय ने अपनी इस हालत का दोष किसको दिया? अक्षय कुमार की यह हालत भूतों की वजह से हुई है, ऐसा उन्होंने बयान दिया है। दरअसल, ऐसा सच में नहीं हुआ है। वह अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के ट्रेलर लॉन्च पर फटे-चिथे कपड़े पहनकर पहुंचे थे। साथ ही अक्षय ने मजाक में कहा, भूतों ने मेरा यह हाल किया है। साथ ही फिल्म प्रोड्यूस करने पर भी यही हाल होता है। इसके बाद अक्षय ने अपनी फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। यह फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

अक्षय कुमार के इस लुक पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं। एक फैन ने लिखा, सलमान खान फटे जूते पहन रहा है, यहां अक्षय कुमार फटे कपड़े पहन रहा है। आखिर चक्कर क्या है? एक अन्य फैन ने कमेंट किया, भिखारी दिख रहे हैं भईया। वहीं एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा, जमीन से जुड़े एक्टर हैं मिस्टर खिलाड़ी। वहीं कुछ फैंस की अक्षय कुमार को देखकर हंसी ही छूट गई। फिल्म भूत बंगला के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर तब्बू, डायरेक्टर प्रियदर्शन, प्रोड्यूसर एकता कपूर, एक्ट्रेस वामिका गब्बी भी नजर आईं। इस मौके पर तब्बू और अक्षय कुमार ने जमकर पैपराजी के सामने फोटो क्लिक करवाए। वामिका गब्बी का भी स्टाइलिश अंदाज देखने को मिला।

आदित्य धर की पत्नी यामी ने की सारा अर्जुन की तारीफ

मुंबई, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। फिल्म 'धुरंधर 2' की कामयाबी से आदित्य धर के साथ उनकी पत्नी यामी गौतम भी खुश हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन की तारीफ की है। उन्होंने युवा अभिनेत्री के अभिनय और लगन की जमकर सराहना की है। आइए देखते हैं कि यामी ने सारा अर्जुन के बारे में क्या कहा? हाल ही में सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म के सेट के पीछे की तस्वीरें शेयर की। एक लंबे नोट में, उन्होंने आदित्य धर, प्रोडक्शन हाउस, कॉस्ट्यूम डिजाइनरों, कास्टिंग डायरेक्टर, एडिटर, सिनेमैटोग्राफर और फिल्म पर काम करने वाले हर व्यक्ति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन इन शब्दों के साथ किया, 'एक्टर पोस्टर पर दिखने वाले चेहरे होते हैं, लेकिन आप इस सिनेमा की रीढ़ हैं। धुरंधर की पूरी टीम का धन्यवाद।'

इस पोस्ट पर यामी गौतम ने कमेंट किया। उन्होंने सारा की तारीफ की। उन्होंने लिखा 'तुम ही आज और कल हो, सारा... तुमने जो किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।' इस पोस्ट पर सारा अर्जुन ने रिप्लाई करते हुए लिखा 'आभार जताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।' सारा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए आदित्य धर ने लिखा 'जिस तरह से आप चीजों को महसूस करती हैं, उसमें एक हिम्मत है। जिस तरह से आप दुनिया को दिखाती हैं, उसमें गरिमा है। इस सफर पर भरोसा करने के लिए और ईमानदारी के साथ डटे रहने के लिए आपका धन्यवाद।'

52 साल की मलाइका अरोड़ा ने बताया अपना फिटनेस मंत्र

मुंबई, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मलाइका अरोड़ा 52 साल की उम्र में भी खुद को फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती हैं। इसके लिए वह काफी मेहनत भी करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बढ़ती उम्र, फिटनेस को लेकर बातचीत की। फैंस को एक खास सलाह भी दी।

मलाइका अरोड़ा हाल ही में सोफी चौधरी के फिटनेस शो फेमसली फिट विद सोफी में नजर आईं। दोनो ने जिम में खूब एक्सरसाइज की। साथ ही फिटनेस को लेकर बातचीत भी की है। वह बताती हैं कि अपनी बॉडी की जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही प्रैक्टिकल होकर फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। मलाइका कहती हैं, बस इसे एक बैज की तरह पहनें। ग्रेसफुली उम्र को बढ़ने दें। इसमें ज्यादा न उलझें। यह तो बस एक नंबर है। आप किसी भी उम्र के हों, चाहे 20 के या 60 के, आप कमाल के हैं।

सोफी चौधरी को मलाइका कहती हैं, कई लोग बहाने बनाते हैं। आज वर्कआउट नहीं करना है। जिम फ्री नहीं है। लेकिन बहाने मत बनाइए, बस जिम जाइए। वह यह भी कहती हैं कि डाइट पर भी सबको ध्यान देना चाहिए। मलाइका अरोड़ा ने तो अपना एक रेस्टोरेंट भी खोला है, जहां वह हेल्दी फूड ऑप्शन लोगों को देती हैं। मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड फिल्मों में अपने आइटम नंबर्स की वजह से जानी जाती हैं। पिछले साल भी फिल्म थामा में उन्होंने प्वाइजन बेबी नाम के गाने पर आइटम डांस किया था। वह कई डांस रियलिटी शो को जज भी कर चुकी हैं।

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

मुंबई, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया। परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। ह्यहेरा फेरी 3ह्न आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'। बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही हेरा फेरी 3 सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हजार्ने का मुकदमा किया है।

उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को

क्रिकेट

75 लाख के सरफराज 28 करोड़ के प्रशांत-कार्तिक पर भारी

कहा- ज्यादा कीमत से अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आईपीएल 2026 के शुरूआती मुकाबलों में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक दिलचस्प और चौंकाने वाली कहानी सामने आई है। टीम ने नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर बड़े नामों को खरीदा, लेकिन मैदान पर प्रदर्शन ने इस सोच को झटका दे दिया कि ज्यादा कीमत हमेशा बेहतर प्रदर्शन की गारंटी होती है। इस सीजन के पहले तीन मैचों ने यह साफ कर दिया है कि क्रिकेट में कीमत नहीं, बल्कि फॉर्म और आत्मविश्वास मायने रखता है।

सरफराज, जिन्हें सिर्फ 75 लाख रुपये में खरीदा गया था, इस समय सीएसके के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। तीन मैचों में 99 रन, 33 का औसत और 200 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट, ये आंकड़े किसी भी टी20 बल्लेबाज के लिए शानदार माने जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि सरफराज को आमतौर पर टेस्ट क्रिकेट का खिलाड़ी माना जाता रहा है, लेकिन उन्होंने अपने खेल में आक्रामकता और नवाचार जोड़कर टी20 में भी अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। मिडिल ऑर्डर में उनकी स्थिरता और स्पिन के खिलाफ उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी ने टीम को कई मुश्किल हालात से निकाला है। दूसरी ओर, नीलामी में भारी-भरकम रकम पाने वाले खिलाड़ी अब सवालों के घेरे में हैं। कार्तिक शर्मा, जिन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया, तीन मैचों में केवल 25 रन ही बना सके हैं। उनका खराब फॉर्म टीम के टॉप ऑर्डर पर दबाव बढ़ा रहा है। वहीं, प्रशांत वीर की स्थिति और भी उलझी हुई है। 14.20 करोड़ में खरीदे गए इस ऑलराउंडर ने अभी तक गेंदबाजी ही नहीं की है। बल्लेबाजी में उन्होंने 49 रन जरूर बनाए हैं, लेकिन यह प्रदर्शन उस कीमत के हिसाब से काफी नहीं माना जा रहा। सीएसके ने रवींद्र जडेजा के जाने के बाद टीम संतुलन बनाने के लिए प्रशांत वीर पर भरोसा जताया था, लेकिन अब तक उनकी भूमिका स्पष्ट नहीं हो पाई है। गेंदबाजी में उनका उपयोग न होना टीम मैनेजमेंट की रणनीति पर सवाल खड़े करता है। क्या टीम उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पा रही, या फिर उनकी भूमिका ही स्पष्ट नहीं है, यह बड़ा सवाल बन गया है। इस पूरे घटनाक्रम ने सीएसके की नीलामी रणनीति पर भी बहस छेड़ दी है। दो खिलाड़ियों पर 28 करोड़ से ज्यादा खर्च करने के बाद भी अपेक्षित प्रदर्शन न मिलना टीम के लिए चिंता का विषय है। इससे टीम की लचीलापन भी प्रभावित हुई है, क्योंकि सैलरी कैप का बड़ा हिस्सा इन खिलाड़ियों पर खर्च हो चुका है। जैसे-जैसे टूनार्मेंट आगे बढ़ेगा, टीम मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ पर दबाव बढ़ता जाएगा। उन्हें यह तय करना होगा कि क्या प्रशांत वीर को गेंदबाजी में शामिल किया जाए या टीम संयोजन में बदलाव किया जाए? अगर जल्द ही सुधार नहीं हुआ, तो सीएसके को प्लेऑफ की दौड़ में नुकसान उठाना पड़ सकता है। आईपीएल का इतिहास बार-बार यह साबित करता रहा है कि महंगे खिलाड़ी हमेशा मैच जिताने वाले नहीं होते। इस सीजन में सरफराज खान इसका ताजा उदाहरण बनकर सामने आए हैं। उनका प्रदर्शन उन सभी फ्रेंचाइजियों के लिए एक सबक है, जिन्होंने नीलामी में उन्हें नजरअंदाज किया था।

जापान की ओलंपिक पहलवान सुगुमी सकुराई का चौंकाने वाला फैसला, उम्र में लिया संन्यास

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पेरिस ओलंपिक में 57 किलोग्राम भार वर्ग की महिला कुश्ती चैंपियन सुगुमी सकुराई ने महज 24 साल की उम्र में संन्यास लेने का फैसला किया है। जापान की यह खिलाड़ी अब पहलवानों की नई पीढ़ी को तैयार करने के साथ पश्चिमी जापान में अपने गृह क्षेत्र कोची प्रीफेक्चर के लिए खेलों की सद्भावना दूत के तौर पर काम करेंगी। सकुराई साल 2021, 2022 और 2023 में लगातार तीन बार वर्ल्ड चैंपियन रही थीं, जिसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में अपने देश के लिए गोल्ड जीता। सोशल मीडिया पर संन्यास की जानकारी देते हुए सकुराई ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'आपके लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद। मैंने संन्यास लेने का फैसला किया है। अब तक, मैं बहुत से लोगों के समर्थन से एक बेहतरीन माहौल में कुश्ती में आगे बढ़ पाई हूं। मैं ओलंपिक में गोल्ड जीतने का सपना पूरा कर पाई। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद।' फैंस का आभार जताते हुए सकुराई ने लिखा, 'आपके लगातार मार्गदर्शन और समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, तब भी जब नतीजे हासिल करना मुश्किल था। कुश्ती के जरिए मुझे बहुत सारे अनुभव मिले हैं। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो बहुत दर्द भी हुआ, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने कुश्ती जारी रखी।' अपने नए सफर की जानकारी देते हुए सकुराई ने बताया, 'यह फैसला मैंने पिछले एक साल में बहुत से लोगों से बात करने और सोचने-समझने के बाद लिया है। मैं अब से कोची रेसलिंग क्लब, कोनान सिटी में एक क्लासरूम शुरू करना चाहती हूं, और रेसलिंग को फैलाने और मजबूत करने के लिए अपना पूरा जोर लगा दूंगी।' 2016 में अंडर-17 विश्व चैंपियन बनीं सकुराई ने 2022 और 2023 में क्रमशः एशियन चैंपियनशिप और एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीते। हालांकि, एशियन चैंपियनशिप 2024 के फाइनल में उन्हें अपने करियर की गिनी-चुनी शिकस्त में से एक का सामना करना पड़ा। इसके बाद सकुराई ने शानदार वापसी की और महज पांच महीने बाद पेरिस में अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की।

पीएसएल बनेगी नंबर-1 लीग : नकवी

कराची, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी अब दिन में सपने देखने लगे हैं। उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि पीएसएल तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में आईपीएल को टक्कर दे सकती है, यहां तक कि दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग भी बन सकती है। पीसीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में नकवी ने कहा, 'पीएसएल में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी इसकी लोकप्रियता और ग्रोथ को दिखाती है। वह समय दूर नहीं जब पीएसएल दुनिया की नंबर वन लीग बन जाएगी।' नकवी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीएसएल का मौजूदा सीजन सीमित संसाधनों में आयोजित हो रहा है और सिर्फ दो वेन्यू पर मैच खेले जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर आईपीएल 2026 बिना किसी रुकावट के अपने तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। यह अंतर दोनों लीग्स के संचालन और स्थिरता को साफ दशार्ता है। हकीकत यह है कि कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आईपीएल को प्राथमिकता देते हैं। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि खिलाड़ी पीएसएल के कॉन्ट्रैक्ट छोड़कर आईपीएल खेलने चले आते हैं। इस सीजन में दासुन शनाका, स्पेंसर जॉनसन और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे खिलाड़ियों ने पीएसएल के बजाय आईपीएल को चुना। दोनों लीग्स के बीच सबसे बड़ा अंतर उनकी आर्थिक ताकत और ब्रांड वैल्यू में है। आईपीएल के मीडिया राइट्स करीब छह बिलियन डॉलर के हैं, जबकि पीएसएल की वैल्यू लगभग 93 मिलियन डॉलर है। आईपीएल का सालाना राजस्व एक बिलियन डॉलर से ज्यादा है, जबकि पीएसएल करीब 60 मिलियन डॉलर तक सीमित है। इसके अलावा ब्रॉडकास्टिंग क्वालिटी, फैन एंगेजमेंट और ग्लोबल रीच के मामले में भी आईपीएल काफी आगे है। वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन की हालिया रैंकिंग में पीएसएल 48 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है, जबकि आईपीएल 62.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है।

मीनाक्षी, जैसमीन एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। मीनाक्षी हुड्डा और जैसमीन लंबोरिया के समीफाइनल में पहुंचने से भारतीय महिला मुक्केबाजों का एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी रहा। इन दोनों की जीत के साथ ही भारतीय महिला दल के सभी मुक्केबाजों का पदक पक्का हो गया है। मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की युका सादामात्सु को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। उन्होंने मुकाबले के दौरान बेहतरीन संयोजन और रिंग पर नियंत्रण का प्रदर्शन किया। जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग में चीन की जियी चेन को 5-0 के समान अंतर से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में भी भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। लोकेश ने कोरिया के गिचाए किम को 5-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। आकाश ने तुर्कमेनिस्तान के यहलास बगत्यारोव को 5-0 से हराया, जबकि हर्ष चौधरी ने किर्गिज गणराज्य के तिनिस्तान अलीबायेव को पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

चेस मुकाबले में दिखा भारतीय संस्कारों का सम्मान

उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी ने हरिका को नमस्ते कर जीता दिल

नई दिल्ली, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। जर्मनी में खेले जा रहे ग्रेनके फ्रीस्टाइल चेस ओपन 2026 के दौरान एक खास पल ने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावली और उज्बेकिस्तान के नोडीर्बेक याकुबोएव के बीच मुकाबले से पहले का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। मैच शुरू होने से पहले हरिका द्रोणावल्ली ने खेल भावना के तहत हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन याकुबोएव ने हाथ मिलाने के बजाय दोनों हाथ जोड़कर नमस्ते किया।

यह दृश्य न सिर्फ अनोखा था, बल्कि भारतीय संस्कृति के सम्मान का प्रतीक भी बन गया। सोशल मीडिया पर फैंस इस जेस्चर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब नोडीर्बेक याकुबोएव ने हाथ मिलाने से परहेज किया हो। इससे पहले भी वह भारतीय खिलाड़ी के साथ ऐसी स्थिति में नजर आ चुके हैं। पिछले साल विज्क आन जी चैलेंजर्स में उन्होंने आर वैशाली से हाथ नहीं मिलाया था, जिससे थोड़ी असहज स्थिति बन गई थी। उस घटना के बाद नोडीर्बेक याकुबोएव ने सफाई देते हुए कहा था, 'मैं जो हुआ उसके लिए माफी मांगता हूं। यह दोनों के लिए अजीब स्थिति थी। मैं उस दिन जल्दी में था, शायद यह गलतफहमी थी। मैं आप सभी खिलाड़ियों का सम्मान करता हूं।' इस पर वैशाली ने भी सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'यह समझने वाली बात है। मैंने इसे गलत तरीके से नहीं लिया। आपने माफी मांगी, यह काफी है। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है।' इस बार हरिका के साथ उनका नमस्ते करना एक सकारात्मक और सम्मानजनक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यह घटना दिखाती है कि खेल सिर्फ जीत-हार का नहीं, बल्कि संस्कार और सम्मान का भी मंच है।

Postal Registration no L-2/HR/FBD/290/24-26

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने 4 अप्रैल को जयपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर "Modar_Fashion" नाम से कपड़े का विज्ञापन डालकर एक व्यक्ति से 1,51,255/- रुपये की ठगी की।

शिकायतकर्ता ने व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क कर सूट खरीदी के लिए भुगतान किया, लेकिन आरोपियों ने बहाना बनाकर पैसे की मांग की और आखिरकार उन्हें ठग लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी जयपुर में बीए की पढ़ाई कर रहे थे और एक अन्य दोस्त के साथ मिलकर ऑनलाइन ठगी कर रहे थे। दोनों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

टेलिग्राम टास्क के नाम पर ठगी, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने टेलिग्राम के माध्यम से ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहित, वासी हिसार और जितेन, वासी चंद्रलोक कॉलोनी, हिसार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, एक महिला ने शिकायत की कि ठगों ने टेलिग्राम पर संपर्क कर उसे पैसे कमाने का लालच दिया और टास्क पूरा करने के नाम पर 8,88,497 रुपये की ठगी कर ली। पूछताछ में यह पता चला कि मोहित ने साहिल का खाता लेकर जितेन को दिया, जिसने इसे ठगों को आगे भेज दिया था। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

वायर चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने 5 अप्रैल को ट्यूबवेल से बिजली की वायर चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नफीस, निवासी सिलाखरी, फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शहाबुदीन ने थाना धौज में शिकायत दर्ज कराई थी कि 21/22 मार्च की रात अज्ञात व्यक्ति ने उसके ट्यूबवेल से 1000 फीट बिजली की वायर चोरी कर ली। पूछताछ में आरोपी नफीस ने बताया कि उसने गांव सिलाखरी में स्थित ट्यूबवेल से वायर काटकर उसे बेच दिया था। पुलिस ने चोरी की वायर को बेचने से प्राप्त 19,500/- रुपये बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

देसी कट्टा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/वनिता। फरीदाबाद क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने 5 अप्रैल को एक आरोपी विनोद, निवासी गांव जसाना, फरीदाबाद को अवैध देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए विनोद को वजीरपुर रोड, खेडीपुल एरिया से गिरफ्तार किया गया। आरोपी नोएडा से 5000 रुपये में देसी कट्टा लाया था। वह ऑटो चलाने का काम करता है और उसका पूर्व में भी अपराधिक रिकार्ड है। इस मामले में शस्त्र अधिनियम के तहत थाना खेडीपुल में मामला दर्ज किया गया और आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

गौकशी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 5 अप्रैल को थाना धौज की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि गांव धौज क्षेत्र के अंतर्गत गांधी कॉलोनी, गांव कुरैशीपुर में अजरुद्दीन नामक व्यक्ति अपने साथियों के साथ मिलकर गौकशी कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर 107 किलोग्राम संदिग्ध गौमांस बरामद किया। इस संबंध में थाना धौज में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी अजरुद्दीन तथा जुनेद निवासी गांव फतेहपुर तगा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गाय का वध कर मांस को बेचने के उद्देश्य से रखा हुआ था। दोनों आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आशा वर्करों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। आशा वर्कर यूनियन हरियाणा सीटू के प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत सोमवार को आशा वर्कर यूनियन की जिला कमेटी ने डीसी ऑफिस पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री व एमडी को मांगों का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान हेमलता गोयल ने की। उप प्रधान सुशीला चौधरी द्वारा संचालित इस प्रदर्शन में सैकड़ों आशा वर्करों ने भाग लिया। प्रदर्शन में जिला कमेटी की पदाधिकारी सुधा, नीलम, पूजा गुप्ता, जूली, मनीषा व सविता शर्मा आदि भी मौजूद थे। सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर ने भी आशाओं की मांगों का पुरजोर समर्थन किया। आशा वर्कर यूनियन हरियाणा की जिला प्रधान हेमलता गोयल ने आशाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें आज भी न्यूनतम सुविधाओं और सम्मान से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा वर्ष 2025 में घोषित 1500 रुपये की बढ़ोतरी को अब तक लागू नहीं किया गया है, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी रोष है।

6 अप्रैल केवल एक तारीख नहीं, राष्ट्र विचार के पुनर्जागरण का दिन है : विपुल गोयल

विपुल गोयल, अजय गौड,नरेन्द्र गुप्ता सहित भाजपा नेताओं ने फहराया भाजपा का ध्वज

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/रुपेश बंसल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने अपने कार्यालय सागर सिनेमा में स्थापना दिवस मनाया तथा भाजपा फरीदाबाद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 6 अप्रैल केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्र विचार, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुचिता के पुनर्जागरण का दिन है। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल 1980 वह ऐतिहासिक क्षण था, जब भारत की राजनीति ने परिवारवाद और स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र प्रथम की भावना को आत्मसात किया। विपुल गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की स्थापना उन सिद्धांतों पर हुई है, जो सत्य, न्याय, सेवा और समर्पण के मार्ग पर आधारित हैं। यह वही दिन है जब भारतीय राजनीति को पार्टी विद डिफरेंस का स्वरूप मिला और देश को ऐसा नेतृत्व मिला, जो स्वयं के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि यह दिवस डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सरदार वल्लभभाई पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान राष्ट्रनायकों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक मजबूत शुरूआत का प्रतीक है। जनसंघ से भाजपा तक की यात्रा को उन्होंने राष्ट्रवाद, त्याग और वैचारिक दृढ़ता की यात्रा बताया। विपुल गोयल ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र राष्ट्र पहले, पार्टी बाद में, स्वयं अंत में केवल एक नारा नहीं, बल्कि हर कार्यकर्ता के जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत है। यही विचार भाजपा को एक राजनीतिक दल से आगे बढ़ाकर एक संस्कार, एक परिवार और एक राष्ट्र निर्माण की शक्ति बनाता है। उन्होंने वर्ष 2014 का उल्लेख करते हुए कहा कि जब देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड जनादेश दिया, तो वह केवल सत्ता का परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का ऐतिहासिक क्षण था। 2014 के बाद देश में शासन की सोच बदली, प्राथमिकताएं बदलीं और सत्ता का केंद्र आम नागरिक बन गया। गांव से लेकर शहर तक, गरीब से लेकर मध्यम वर्ग तक, हर वर्ग के लिए योजनाएं बननी शुरू हुईं और उनका लाभ सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने लगा। उन्होंने आगे कहा कि अंत्योदय के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य हुआ, जिसके परिणामस्वरूप आज समग्र भारत का विकास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। गरीब कल्याण, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल क्रांति के माध्यम से देश एक नई ऊंचाई की ओर अग्रसर है। विपुल गोयल ने कहा कि यदि यह राष्ट्रवादी विचारधारा और मजबूत नेतृत्व देश को नहीं मिला होता, तो भारत आज जिस वैश्विक प्रतिष्ठा और विकास के स्तर पर खड़ा है, वहां पहुंचना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के निर्णायक फैसलों ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और विकास को नई दिशा दी है और भारत को आत्मनिर्भर एवं सशक्त राष्ट्र बनाने की नींव को मजबूत किया है।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और फरीदाबाद के नागरिकों को भाजपा स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए राष्ट्र सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा, आज 6 अप्रैल को हम सभी यह संकल्प लें कि राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपना पूर्ण योगदान देंगे और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। इस दौरान मंत्री राजेश नागर, मेयर प्रवीण बत्रा जोशी, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर, जिला मंत्री प्रवीण चौधरी जी सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित भाजपा स्थापना दिवस के मौके पर भाजपा ध्वज फहराते कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव अजय गौड, पूर्व विधायक नरेन्द्र गुप्ता व अन्य।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

अग्रवाल कॉलेज में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बल्लबगढ़, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। अग्रवाल कॉलेज के चेयरमैन देवेन्द्र गुप्ता, महासचिव दिनेश गुप्ता व कार्याहक प्राचार्य डॉ संजीव कुमार गुप्ता के दिशा निर्देशन में ओबीसी, एससी, एसटी के छात्रवृति प्राप्त करने योग्य विद्यार्थियों के लिए छात्रवृति जागरूकता विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के लाइब्रेरियन व स्कॉलरशिप के नोडल अधिकारी डॉ. रामचंद्र ने केंद्र व हरियाणा सरकार द्वारा उपलब्ध विभिन्न छात्रवृतियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों द्वारा भी महाविधालय स्तर पर अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को हर साल विभिन्न छात्रवृतियां प्रदान की जाती हैं।

जनगणना के दौरान मोबाइल एप्लीकेशन से सीधे दर्ज होंगे आंकड़े

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। आगामी जनगणना की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए जिला फरीदाबाद के विभिन्न स्कूलों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण फीडल ट्रेनर द्वारा दिया जा रहा है, जिसमें जनगणना से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक, तकनीकी और प्रबंधन संबंधी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की जा रही है।

जिला फरीदाबाद में लगभग 5500 गणनाकर्ताओं (एन्यूमरेटर) और पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर) को 6 अप्रैल से 22 अप्रैल तक विभिन्न स्कूलों में स्थापित 31 प्रशिक्षण केंद्रों (वेन्यू) पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्हें जनगणना से जुड़े विभिन्न कॉन्सेप्ट, हाउस लिस्टिंग एप्लीकेशन, सेल्फ एन्यूमरेशन सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना निदेशालय हरियाणा, चंडीगढ़ की ओर से जिला जनगणना समन्वयक प्रशांत शर्मा द्वारा भी प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। चार्ज अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को इसकी प्रक्रिया, नियमों और डिजिटल माध्यम से होने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी देना है, ताकि आगामी जनगणना को जिले में सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की मूलभूत जानकारी भी दी जा रही है, जिसमें इसकी परिभाषा, उद्देश्य तथा पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनगणना देश की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या, सामाजिक, आर्थिक और आवासीय स्थिति से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं।

इसके साथ ही प्रशिक्षण में जनगणना से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी जा रही है। बताया गया कि यह कार्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और कानूनों के तहत किया जाता है, जिनका पालन करना सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अनिवार्य है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय होती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

स्कूलों में जनगणना को लेकर प्रशिक्षण देते गणनाकर्ता।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

गेस्ट हाउस में देह व्यापार का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। महिला थाना सेंट्रल की टीम ने 5 अप्रैल को गुप्त सूचना के आधार पर न्यू भारत कॉलोनी स्थित एक गेस्ट हाउस में छापेमारी करते हुए अनैतिक देह व्यापार का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में गेस्ट हाउस के संचालक सहित 2 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, छापेमारी के दौरान देह व्यापार की पुष्टि होने पर दोनों आरोपियों को मौके से पकड़ लिया गया। आरोपियों के खिलाफ थाना खेड़ीपुल में अनैतिक व्यापार अधिनियम 1956 की धारा 3, 4 और 7 के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में यह सामने आया कि गेस्ट हाउस में देह व्यापार कराया जाता था। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी जमानत मंजूर कर ली गई है।

झगड़ा करने के दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। पुलिस चौकी सेक्टर-55 की टीम ने 3 अप्रैल को हुई लड़ाई-झगड़े के मामले में 5 अप्रैल को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सलमान, निवासी फतेहपुर तगा और अखलेश उर्फ गंजा, निवासी गांव करनेरा, फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता निशांत ने बताया कि 2 अप्रैल को वह अपने भाई और दोस्तों के साथ अपने बड़े भाई से मिलने आया था। 3 अप्रैल को उसे रामवीर का फोन आया, जिसने उसे सरूरपुर बुलाया। जब वह अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा, तो रामवीर अपने अन्य साथियों के साथ उसे घेर लिया और उसकी गाड़ी को रोककर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया। जब भीड़ इकट्ठी हुई, तो सभी आरोपी फरार हो गए। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि यह हमला पुरानी रंजिश के चलते किया गया था। सलमान और अखलेश उर्फ गंजा रामवीर के साथी थे और इस मारपीट में शामिल थे।

आवश्यक जानकारी

सत्यजय टाईम्स में छपवाए अपने कोर्ट नोटिस

फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित **हिन्दी दैनिक सत्यजय टाईम्स डीएवीपी, रेलवे तथा हरियाणा सरकार** के साथ-साथ **पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़** की विज्ञापन सूची में शामिल **हिन्दी दैनिक** है जिसमें आप अपने न्यायालयों से संबंधित नोटिस भी प्रकाशित करा सकते है।

सत्यजय टाईम्स Satyajay Times

संपर्क करें :-
विज्ञापन प्रबंधक, मो.9643311765
9811232533, 0129-4042533
Email : satyajaytimes@gmail.com,

समाधान शिविर से लोगों को मिल रही राहत : एडीसी

एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने शिविर में सुनी नागरिकों की समस्याएं

फरीदाबाद, 06 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार "समाधान शिविर" की पहल जिला वासियों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। समाधान शिविर की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया ने की। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने समाधान शिविरों की प्रभावशीलता को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे केवल अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर निर्भर न रहें, बल्कि स्वयं पोर्टल खोलकर शिकायतों की समीक्षा करें और उनका समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वे प्राप्त शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निपटान करें। जिन मामलों का तुरंत समाधान संभव नहीं है, उनके लिए स्पष्ट कारणों सहित रिपोर्ट तैयार रखें, ताकि समीक्षा बैठक में लंबित मामलों पर संतोषजनक जवाब दिया जा सके। लंबित शिकायतों को बिना ठोस कारण के पुनः लंबित न रखने के निर्देश भी दिए गए। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने जानकारी देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में नागरिकों की ओर से सबसे अधिक समस्याए परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी त्रुटियों और नए सदस्य जोड़ने से जुड़ी सामने आई हैं। इसके अलावा राशन कार्ड, अवैध अतिक्रमण, पुलिस और बिजली विभाग से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मुद्दों के त्वरित निपटान के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने बताया कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन हमेशा नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर हैं और जनहित में यह पहल निरंतर जारी रहेगी। इसी क्रम में आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी नागरिक को स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड, स्थानीय निकायों से नो-ड्यूज प्रमाण पत्र, नगरपालिका द्वारा नक्शा पास करवाने, बिजली, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य या आपराधिक शिकायतों से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो वह निःसंकोच समाधान शिविर में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराए।

एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने बताया कि जिला प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायत समाधान शिविरों में नागरिकों की भागीदारी सरकार और प्रशासन पर उनके भरोसे को दशार्ती है। समाधान शिविर में सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनती एडीसी अंजलि श्रोत्रिया।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

सत्यजय टाईम्स सेल्फी कॉर्नर

विभव गोयल, (बल्लभगढ़) सुदेश शर्मा (बल्लभगढ़) सुमित मंगला (बल्लभगढ़) लक्षिका (फरीदाबाद)

आप भी यदि इस कॉलम में अपना फोटो प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उठाइए अपना मोबाइल फोन और आप अपने घर पर जो भी नया कर रहे हैं उसकी सेल्फी लें और भेज दें हमें नीचे लिखे व्हाट्सएप नंबर पर।

9811016963

पलवल में सत्यजय टाईम्स पत्र प्राप्त करने व विज्ञापन हेतु संपर्क करेः- कमेटी चौक, वार्ड नंबर-19, अरियन हॉस्पीटल के पीछे, मकान नंबर-237, **लक्ष्मण शर्मा**- 8295307492, **कपिल शर्मा**-98965 82968

होड़ल में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए संपर्क करें- अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र - **अमित अग्रवाल** 9254588483

नूहं जिले में दैनिक सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने एवं दैनिक सत्यजय टाईम्स में कोर्ट नोटिस, खोया पाया, बेदखली व अन्य प्रकार के विज्ञापन छपवाने के लिए संपर्क करें, जुबैर खान, नूंह बिजली बोर्ड के सामने, ऑफिस नूंह 9813631877, 8059131877 नूंह मेवात

सोहना में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र में समाचारों के लिए संपर्क करें- **अशोक गर्ग** -9354135063

दिल्ली ब्यूरो कार्यालय मकान नम्बर 304 गली नम्बर 5 मूगा नगर, करावल नगर रोड़ दिल्ली 94

यदि आप भी अपने किसी प्रियजन स्वजन को किसी भी प्रकार का कोई संदेश फोटो के साथ देना चाहते हैं, तो सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक इसमें आपका सहयोग करने को तैयार है, आप अपना संदेश अपने नाम व फोटो सहित हमें 7838364763 नंबर पर व्हाट्सएप करें। हम उसको सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक में प्रकाशित करेंगे।

संपादकीय कार्यालय

खबरों व विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
5आर-1 (प्रथम तल) नियर एच.डी.एफ. सी. बैंक बी.के. चौक एनआईटी फरीदाबाद।
मोबाईल नं-9811232533, 0129-4042533

स्वत्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक व मालिक) रूपेश कुमार बंसल द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस डी-85 सैक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर उत्तर-प्रदेश 201301 से मुद्रित कर मकान नम्बर- 35/ए न्यू कालोनी, रेलवे रोड़ (भाटिया क्रेन वाली गली) फरीदाबाद 121001 (हरियाणा) से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-विजय चौहान* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।